''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 01 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 01 जनवरी 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा कदम उठाया, दो नायब तहसीलदार निलंबित

समाचार गेट/संजय शर्मा

चंडीगढ़। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सतनाल (महेंद्रगढ़) के नायब तहसीलदार रघुबीर सिंह और कादीपुर (गुरुग्राम) के नायब तहसीलदार अमित कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह कदम जनता की शिकायतों और आधिकारिक जांच रिपोर्टों के आधार पर उठाया गया है।

विपुल गोयल ने गुरुग्राम के उपायुक्त को अमित कुमार यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं। निलंबन के दौरान दोनों तहसीलदारों को अपने-अपने मुख्यालयरघुबीर सिंह को नारनौल और अमित कुमार यादव को चंडीगढ़ में रोजाना रिपोर्ट करने को कहा गया है। जांच के प्रथम छह महीनों के दौरान दोनों को केवल गुजारा भत्ता दिया जाएगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, सरकार जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है, सरकार एक पारदर्शी और सुशासन प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लापरवाही के खिलाफ सख्त चेतावनी

विपुल गोयल ने सोमवार को ही विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर गिरदावरी और फसल क्षति मुआवजे के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि जनता के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। इसी बीच कुछ अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और लापरवाही की शिकायतें सामने आईं, जिसके आधार पर दोनों नायब तहसीलदारों को निलंबित करने का आदेश जारी किया गया। विपुल गोयल ने बयान दिया है कि विभाग की ओर सख्त दिशा निर्देश दिए गए थे कि निष्पक्ष एवं जन हितैषी कार्य ही सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी अथवा जनता को परेशान करने की घटनाओं के आधार पर यह कठोर कार्रवाई की गई है। आगे भी इस प्रकार की घटनाएं सामने आती है तो कड़े कदम उठाए जाएंगे।

आगे की जांच और कार्रवाई

दोनों निलंबित तहसीलदारों के खिलाफ विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। विपुल गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ऐसे मामलों में सम्मिलित किसी भी व्यक्ति को राहत नहीं मिलेगी। भविष्य में भी ऐसे कठोर निर्णय लेने से सरकार पीछे नहीं हटेगी। इस कार्रवाई के माध्यम से कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने एक कड़ा संदेश दिया है कि प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को जनता की सेवा को प्राथमिकता देनी होगी। यह कदम प्रशासनिक सुधारों और सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई प्रदेश के विकास और जनता के कल्याण के लिए बनाई गई उनकी व्यापक योजना का हिस्सा है। साथ ही, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे निष्ठा और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें।

लाल डोरा/आबादी वाली प्रॉपर्टी को जल्द से जल्द करवाएं सेल्फ सर्टिफाइड : ए मोना श्रीनिवास

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वालों पर होगी कार्यवाही

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने निगम के सभी कराधान अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ निगम कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स सम्बंधित बैठक ली।

बैठक में उन्होंने सभी कराधान अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है कि अपने अपने संबंधित क्षेत्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले लोगों को नोटिस जारी करें ताकि वे अपना प्रॉपर्टी टैक्स समय रहते जमा करा सकें, अन्यथा ऐसे प्रॉपर्टी मालिकों पर प्रॉपर्टी सीलिंग की कार्यवाही की जायेगी

नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने कहा कि पहले चरण में उन प्रॉपर्टी मालिकों को चिन्हित कर उनको नोटिस भेजे जिन पर बड़ी राशि बकाया है। उन्होने आमजन से अपील की कि वह समयानुसार अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाएं। ताकि वह निगम द्वारा की जाने वाली आगामी कार्यवाही से बच सके। उन्होंने कहा की यह टैक्स शहर के विकास के लिए प्रॉपर्टी मालिको से लिया जाता है समय पर टैक्स जमा होगा तो शहर का विकास भी बेहतर होगा।

लाल डोरा आबादी के अंतर्गत आने वाली प्रॉपर्टी को लेकर भी नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार सभी जेडटीओ को दिशा निर्देश दिए है कि वह अपने अपने क्षेत्रों में लाल डोरा/आबादी वाली प्रॉपर्टी का सेल्फ सर्टिफाइड करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में अतिरिक्त नगर निगम कमिश्नर स्वर्पलिन रविन्द्र पाटिल, अतिरिक्त नगर निगम कमिश्नर गौरव आँतील सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

उपायुक्त उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर में सुनेंगे शिकायतें

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि सरकार की ओर से जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए प्रतिदिन सभी कार्यदिवसों में जिला व उपमंडल स्तर पर प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, जिसमें जनता की समस्याओं को सुन कर उनका समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि वे प्रतिदिन जिला स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में लोगों की शिकायत सुन उनका समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर के बाद उपमंडल स्तर पर ही 12 बजे राजस्व विभाग के अधिकारियों की मीटिंग भी ली जाएगी।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर निवर्तमान पार्षद दीपक यादव का स्वागत किया

सीनियर सिटीजन वेलफेयर ने दी नववर्ष की बधाई

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन बल्लभगढ़ द्वारा नव वर्ष पर बधाई उत्सव का आयोजन शिव मंदिर परिसर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि दीपक यादव भावी पार्षद के रुप में उपस्थित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रधान एम.सी. गोयल ने की मुख्य अतिथि के आगमन पर सभी सदस्यों ने पुष्प वर्षा कर मुख्य अतिथि को माला पहनाई व बधाइयां दी एवं दीपक यादव के लिए आने वाले वर्ष में खुशियां वह उन्नति मिलती रहे की कामना की। अध्यक्ष एम. सी. गोयल ने भी सभी को नए साल की शुभकामनाएं दी व एसोसिएशन के वर्ष 2023 में किए गए कार्यों का उल्लेख किया जैसे की चारा डालकर गेहूं की सेवा करना,

गरीब छात्र-छात्राओं को जर्सियां बांटना एवं विधवाओं को कंबल देना, गर्मियों में प्याऊ लगवाना, पौधे आदि लगाना आदि। जलपान आदि की व्यवस्था समाजसेवी ओमप्रकाश की ओर से की गई।

दीपक यादव ने संगठन के कार्यों को सुनकर खुशी के साथ समर्थन किया कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा सदस्यों ने पार्षद का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में सदस्य व पदाधिकारी के रूप में फ्री कमल सिंह सैनी, अतर सिंह भाटी, साधुराम शर्मा, अंजनी दुबे, शेखर गुप्ता, हरिकिशन मंगल, गिरिराज मित्तल, ओमप्रकाश, बाबू लाल, पूरन सिंह, नरेंद्र यादव, टेकचंद, सुखवीर, इंद्रजीत, आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश की प्रगति में ओमप्रकाश चौटाला का रहा योगदान : राज्यपाल

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पूर्व सीएम स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को गांव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला महान व्यक्तित्व के धनी थे। प्रदेश की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। हरियाणा में पानी के लिए जो संघर्ष उन्होंने किया वो इतिहास में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि जब वे केंद्र में शहरी विकास मंत्री थे और ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, उस दौरान एनसीआर की प्रांतीय बैठकों में ओमप्रकाश चौटाला ने न केवल एनसीआर प्रांत की मांगों को केंद्र के समक्ष रखा, बल्कि उन्हें पूरा भी करवाया। इस प्रकार से एनसीआर के प्रांतों में हरियाणा को अग्रणी बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि पारिवारिक समारोह में ओमप्रकाश से मिला तो बेहद ही अच्छा लगा। जब अभय सिंह चौटाला उनसे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उनसे मिले थे, तब भी मैंने उनसे ओमप्रकाश चौटाला का हाल जाना था, तब अभय ने बताया था कि ठीक है, लेकिन उनके चले जाने की खबर से बेहद ही दुख हुआ। उन्होंने कहा

कि भले ही ओमप्रकाश चौटाला हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी सेवा, परिश्रम, काम व लगन हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने पूरे प्रदेश की ओर से पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

श्री चौटाला का जीवन संघर्ष का रहा प्रतीक

हरियाणा के विकास को नई दिशा देने का कार्य उनकी देखरेख में हुआ : मुख्यमंत्री

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हरियाणा के विकास को नई दिशा देने का कार्य उनकी देखरेख में हुआ। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह

सैनी आज जिला सिरसा के गांव चौटाला के चौधरी साहब राम स्टेडियम में आयोजित स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री चौटाला का जीवन संघर्ष का प्रतीक रहा है। उनके मार्गदर्शन में हरियाणा को विकास के क्षेत्र में नई दिशा मिली। ऐसे महान व्यक्तित्व चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अपना एक गौरवशाली जीवन व्यतीत करके हम सबको एक दिशा देकर गए हैं। ऐसी दिवंगत आत्मा से हमें प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने समाज और प्रदेश के हित में अपना जीवन समर्पित किया। जब भी समाज के हित की बात आई श्री चौटाला ने हमेशा आगे बढ़कर योगदान दिया और लोगों तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करी कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को ये दु:ख सहने का साहस प्रदान करे।

लोहारू में दलित बेटी की आत्महत्या के दोषियों पर कार्रवाई कर रही पुलिस : बेदी

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। लोहारू के एक कॉलेज में पढ़ने वाली दलित बेटी की आत्महत्या के मामले में आज हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने कहा है कि बेटी के आत्महत्या के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा इस मामले में ट्वीट किए जाने पर कहा कि ट्वीट करने वाले दोषियों को बचाने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात करें। दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और पुलिस दोषियों की धरपकड़ के लिए तत्परता से काम कर रही है।

हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिस कॉलेज में बेटी पढ़ती थी, उस कॉलेज की तरफ से क्षेत्र में लंबे समय से नि:शुल्क शिक्षा और निशुल्क यातायात सुविधा दिए जाने की बातें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उक्त क्षेत्र के विधायक के वीडियो भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। इस मामले में पीड़ति बेटी के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, कि कॉलेज की प्रिंसिपल और प्रिंसिपल के भाई पर दलित बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ति किया है। लोहारू थाने में इस सम्बन्ध में 27 दिसंबर को एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पुलिस दोषियों को पकड़ने की कार्रवाई में लगी है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में ट्वीट करने वाले नेताओं को दोषियों

के खिलाफ कार्रवाई करने की बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आधा अधूरा ट्वीट करके ये नेता दोषियों को बचाने में लगे हैं। उन लोगों को दलित बेटी को न्याय दिलाने के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मिर्चपुर के घटनाक्रम के समय ये कांग्रेस नेता ट्वीट करना क्यों भूल गए थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने विधायक से इस विषय में पूछेंगे? उन्होंने कहा कि इस प्रकार का दोषियों को बचाने का प्रयास करने के ट्वीट की वह निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि उक्त नेताओं को अपना ट्वीट वापस लेना चाहिए और दलित बेटी को न्याय दिलाने के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात करनी चाहिए। मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हमारी सरकार पीड़ति बेटी के परिवार के साथ खड़ी है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

सरपंच एसोसिएशन ने 2024 को कहा अलविदा, 2025 का किया स्वागत

सरपंच एसोसिएशन के प्रधान एंव चांदपुर गांव के सरपंच सूरजपाल भूरा ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर बैठक का आयोजन किया, जिसमें सरपंच एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आगामी वर्ष 2025 के लिए रणनीति तैयार की और एसोसिएशन के प्रधान सूरजपाल भूरा का फूलों का गुलदस्ते से स्वागत किया। इस बैठक में एसोसिएशन के पंच-सरपंच मौजूद रहे।

चित्र: समाचार गेट

नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं!

हर किसी के मन में नए साल के लिए खास उमंग, रोमांच और एक अलग सा उत्साह होता है। हर कोई चाहता है कि आने वाला साल हर प्रकार से, हर किसी के लिए मंगलमय हो। मेरी दुआ है कि आपको आने वाले साल में 12 महीने खुशियां मिलें, 52 हफ्ते कामयाबी मिले और 365 दिन सबकी दुआएं मिलें। हम हर दिन रहेंगे समाचार गेट के जरिए आपके साथ खबरों के जरिए दुख में भी और सुख में भी। आपको और आपके परिवार को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं!

नरवीर यादव

प्रबंध संपादक

समाचार गेट हिन्दी दैनिक

नव वर्ष 2025

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है. सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है. दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है. ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है. खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है. विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाज़ी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है.

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी. परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी. जो हिन्दुओं का नववर्ष है. ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था. इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था. जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है. यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था. रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था. जो 1 मार्च से शुरू होता था. तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे. मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मैयास, जूनियस, क़ुइन्तिलिस, सेक्सटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेम्बर, और डिसेम्बर.लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा. इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया. तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है.

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिमेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कलैंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अत: इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।

नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है. लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है. लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नज़र आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

अपनी कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को ष्श्वुह्लह्वश्ध्य कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सज़ा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफ़ी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। ग़लती को दोहराने पर सज़ा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही क्रांक्रीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओ की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व ज़रूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करे -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द्र बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राड्स गड़ाकर.. ठौंककर या गड्ढे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करे -

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कुत्ता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु नि:स्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरुर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...

अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनियां के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्राय: सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनियां में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारभ कर दिया है। 31 दिसबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरित और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है । वस्तुत: ईसा का जन्म 25 दिसबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यति हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथाकथित ईश्वर के बेटे के दुनियां में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को ह्श्चातिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निन कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारभ करें। एक जनवरी को प्रात: सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रात: बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुलामों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।

84 पाल ने 84 मीटर की पगड़ी पहनाकर मंत्री राजेश नागर को दी गुर्जर सम्राट की उपाधि

38 करोड रुपए की लागत से होगा राजा जैत सिंह स्टेडियम का निर्माण : राजेश नागर

मंत्री राजेश नागर ने की राजा की मूर्ति के लिए भी 21 लाख रुपए की घोषणा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। नीमका स्थित राजा जैत सिंह स्टेडियम के कायाकल्प के लिए राज्य सरकार 38 करोड रुपए खर्च करेगी। वहीं स्टेडियम के बगल लगे राजा के चबूतरे और मूर्ति के नवनिर्माण के लिए भी 21 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। यह बात मंत्री राजेश नागर ने कही। वह यहां नीमका में आयोजित अपने अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर 84 पाल की सरदारी ने 84 मीटर की पगड़ी पहनाकर मंत्री राजेश नागर को गुर्जर सम्राट की उपाधि से नवाजा और उन्हें राजा जैत सिंह की तस्वीर स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। समाज ने अपना एक मांग पत्र भी मंत्री राजेश नागर को सौंपा। वहीं मंत्री नागर ने कहा कि मैं आपके मान सम्मान पर कभी आंच नहीं आने दूंगा।

इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि आजकल युवा खेलों के प्रति काफी आकर्षित हो रहे हैं और इसमें अपना करियर भी बना रहे हैं। वहीं हमारे राज्य की सरकार भी खिलाड़ियों को सुविधा और इनाम की बड़ी राशियां दे रही है। मेरे प्रयास से नीमका स्थित राजा जैत सिंह स्टेडियम को भव्य रूप देने के लिए 38 करोड रुपए की मंजूर हुई है जिस पर जल्द ही काम शुरू होगा। यहां पर अनेक प्रकार के खेलों का प्रशिक्षण युवाओं को मिलेगा, जिससे वह अपने जीवन को सकारात्मक ढंग से आगे के लिए अग्रसर करेंगे और प्रदेश एवं देश का नाम दुनिया में रोशन करेंगे। इसके साथ ही यहां पर हमारे राजा जैत सिंह की प्रतिमा को भी भव्य रूप दिया जाएगा, जहां पर अनेक सामाजिक कार्यक्रम होते हैं। इसके बाद इन कार्यक्रमों को करने में और सुविधा मिल सकेगी।

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मैं आप सभी के लिए नेता नहीं और आप मेरे लिए जनता नहीं हैं। हम एक परिवार हैं। आप में से मेरे अनेक चाचा ताऊ हैं भाई हैं। मैं आप सभी के लिए पहले के जैसा ही हूं और आपकी सेवा के लिए हमेशा उपलब्ध हूं। आपने मुझे इतना मान सम्मान और मतदान करके विधानसभा पहुंचाया है और मेरे पार्टी नेतृत्व ने आपकी सेवा करने के लिए मुझे ताकत होती है। मैं ईमानदारी के साथ इसका निर्वहन करुंगा।

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि समाज में समरसता, एकता और भाईचारा बनाने की दिशा में युवा काम करें। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका इसी प्रकार से मुझे प्रेम मिलता रहे।

विधायक मूलचंद शर्मा ने पीडब्ल्यूडी और नगर निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के रेस्ट हाउस में बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने आज निर्माणाधीन एलिवेटिड पुल के निर्माण कार्य को लेकर पीडब्ल्यूडी और नगर निगम बल्लभगढ़ के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विधायक मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को एलिवेटिड पुल के निर्माण कार्य को तेज गति के पूरा करने के लिए दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में मौजूद नगर निगम के अधिकारयो को एलिवेटिड पुल के निर्माण कार्य के दौरान आपसी तालमेल से आने वाली समस्याओ को दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा की एलिवेटिड पुल निर्माण के दौरान कई स्थानों पर पीने के पानी की पाइपलाइन लीकेज हुई है जिसे जल्द से जल्द दुरुस्त करें। ताकि मोहना रोड से आने जाने वाले लोगों को कोई दिक्कत न आए। बैठक में उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए है कि मोहना रोड नाले के साथ बनाए जा रही सर्विस रोड को भी जल्द से जल्द दुरुस्त करें ताकि आमजन को जाम से न जूझना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने आगरा कैनाल के साथ सैक्टर 3 की ग्रीनबेल्ट के पार्क का सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान पार्क की चारदीवारी व ट्रेक में खामियां दिखाई दी जिनका अधिकारियों को तुरन्त दूरस्त करने का आदेश दिया। जिसका आने वाले कुछ दिनों में काम शुरू हो जायेगा। इस बैठक में नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम, पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रकाश लाल, एसडीओ अरविन्द शर्मा और एलिवेटिड पुल निर्माण कंपनी से जुड़े हुए अधिकारीगण मौजूद रहे।

एमसीएफ सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलवीर सिंह ने निगमायुक्त से की मुलाकात

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के नवनिर्वाचित प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर व उनके पैनल के 20 सदस्यों ने फरीदाबाद नगर निगम की आयुक्त ए मोना श्रीनिवास से मुलाकात की। इस मौके पर बलवीर सिंह बालगुहेर ने पूरी टीम की ओर से निगमायुक्त को बुक्के व मिठाई भेंट की। नवनिर्वाचित प्रधान बलवीर सिंह ने निगमायुक्त मोना श्रीनिवासन के समक्ष कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाना, कैशलेस मेडिकल सुविधा निगम कर्मचारियों पर लागू करवाना, कच्चे कर्मचारियों का वेतन 26 हजार रूपए करवाना साथ ही जनसंख्या के अनुपात निगम में सफाई कर्मचारियों की भर्ती करवाना आदि मांगों से अवगत करवाया। जिस पर निगमायुक्त ने सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुना तथा जल्द से जल्द समस्या के निदान करने की बात कहीं। इस मौके पर प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर ने निगमायुक्त को आश्वासन दिया कि शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर करने के लिए निगम का प्रत्येक कर्मचारी पूरी जी-जान जुट जाएगा। इस मौके पर प्रधान बलवीर के अलावा श्रीनंद ढकोलिया, जितेन्द्र छाबड़ा, रघुबीर चौटाला, विजय चावला, उपप्रधान ललिता, सुखबीर मौर्य, बल्लू चिण्डालिया, महेन्द्र कुडिया, हरीश सिंह, दान सिंह उज्जनीवाल, विनोद, विक्की हस्तोरिया, रवि छजलाना, प्रेमपाल, सुरेश मैहलादे, लक्ष्मण पारछा, रविन्द्र टांक, राजेश कामा, नैन सिंह, रामरतन, धर्म सिंह मुल्ला, राजवीर चिंडालिया, माईचंद जंगलिया, शकुंतला, बीना, ममता, कविता, शकुंतला, मुन्नी, शीला प्रधानी, सुकंत, अनीता, मीता, सुलोचना, संतोष सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विक्ट्री क्रिकेट क्लब ने रैपटर्स क्रिकेट क्लब को 66 रन से हराया

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। कॉरपोरेट प्रैक्टिस मैच 2024-25 रविंदर फागना क्रिकेट ग्राउंड भूमि पाली फरीदाबाद पर खेला गया। यह मैच विक्ट्री क्रिकेट क्लब ओर रैपटर्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। इस मैच में विक्ट्री क्रिकेट क्लब ने रैपटर्स क्रिकेट क्लब को 66 रन से हराया। यह मैच 20-20 ओवर का था और विक्ट्री क्रिकेट क्लब ने पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। विक्ट्री क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 182 रन का लक्ष्य दिया। विक्ट्री क्रिकेट क्लब की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए उदय कुंडू ने 27 गेंदों पर 2 चौको और 2 छक्कों की मदद से 53 रन, धर्मेंद्र नागर ने 18 गेंद पर 2 चौके, 5 छक्के की मदद से 42 रन बनाए। रैपटर्स क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए अभिषेक, हरी कश्यप, रोहतास और तरुण गुड्डू ने 11 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए रैपटर्स क्रिकेट क्लब ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 116 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। रैपटर्स क्रिकेट क्लब की ओर से बल्लेबाजी करते हुए नवनीत ने 19 गेंद पर 1 चौके,4 छक्के की मदद से 33 रन और चेतन शर्मा ने 30 गेंद पर 1 चौके 2 छक्के की मदद से 27 रन बनाए। विक्ट्री क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनुज भारद्वाज ने 4 ओवर में 2 मैडम 16 रन देकर 2 विकेट, प्रणय मैथ्यूज ने 3 ओवर में 14 रन देखकर 2 विकेट, आदित्य शर्मा, धर्मेंद्र सिंह और गोविंद ने 11 विकेट हासिल किया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच अनुज भारद्वाज को घोषित किया गया और फाइटर ऑफ द मैच नवनीत को घोषित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ढाई माह के कार्यकाल में अहीरवाल में कुछ भी परिवर्तन नहीं आया : विद्रोही

समाचार गेट/ब्यूरो

स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण भारत के अध्यक्ष वेदप्रकाश विद्रोही ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ढाई माह के कार्यकाल में अहीरवाल में कुछ भी परिवर्तन नही आया। विकास व सामाजिक सरोकारों के मामले में भाजपा सरकार की वही उपेक्षापूर्ण नीति चल रही है। विद्रोही ने कहा कि भाजपा व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यह न भूले कि विगत दस सालों से हरियाणा में भाजपा की ही सरकार चल रही है, यदि भाजपा हरियाणा के कुछ वर्षो का श्रेय लेती है तो कमियों की जवाबदेही भी भाजपा की है लेकिन प्रदेश में दस सालों से एकदम उल्टा हो रहा है।

कांग्रेस जमाने की विकास परियोजनाओं का श्रेय लेने भाजपा सदैव आगे रहती है और जब जवाबदेही लेने का समय आता है तो भाजपा सरकार कमियों व नाकामियों का ठीकरा विगत कांग्रेस सरकार पर डालकर पतली गली से निकल जाती है। अहीरवाल में भाजपा को विगत तीन लोकसभा व तीन विधानसभा चुनावों में एकतरफा समर्थन मिला है। वहीं हरियाणा में तीनों बार

भाजपा सरकार अहीरवाल के दम पर बनी है। किसी भी राज्य व क्षेत्र के लिए दस साल का समय विकास करने व जनसरोकारों को लागू करने के लिए काफी होता है।

ऐसी स्थिति में विद्रोही ने अहीरवाल के लोगों से आग्रह किया कि नववर्ष 2025 में प्रवेश करते समय वे गंभीरता से विचारे कि विगत दस सालों से भाजपा को दिये जा रहे एकतरफा समर्थन से अहीरवाल ने क्या पाया और क्या खोया? जब तक इसका हिसाब-किताब अहीरवाल के नागरिक नही करेंगे, तब तक उनको कोई लाभ नही मिलेगा। विगत दस सालों में भाजपा को जितना अहीरवाल ने दिया है, उसके बदले में इस क्षेत्र को 10 प्रतिशत भी नही मिला। तीसरी बार भाजपा सरकार बनने के बाद अहीरवाल में पहली बार आये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जुमलेबाजी तो की लेकिन उनके व्यवहार, बयानों से कहीं भी यह नही लगा कि भविष्य में भी अहीरवाल को उसका वाजिब हक मिलेगा। विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों व नये बने मंत्रीयों ने लम्बी-चौडी बाते की, रोज अफसरों को हडकाकर लम्बी-चौडी बाते की, लेकिन विगत ढाई माह में इन विधायकों व मंत्रीयों की कही बातों पर पैसाभर भी असर प्रशासन पर नही दिखा। प्रशासन का वही उपेक्षापूर्ण रवैया यथावत है। अहीरवाल में विकास की रफ्तार उसी कछुआ गति से चल रही है, उसमें कोई परिवर्तन नही आया। अहीरवाल में अपराधे घटनाएं घटने की बजाय बढती जा रही है।

विद्रोही ने कहा कि सवाल उठता है कि जब भाजपा को एकतरफा समर्थन से अहीरवाल को विकास कार्यो में कुछ नही मिल रहा तो फिर यहां के लोग व्यर्थ में भाजपा का पिछलग्गू बनकर अपने पैरों पर खुद कुल्हाडी क्यों मार रहे है? यहां के भाजपा से निर्वाचित सांसद व विधायक अपनी कथनी-करनी एक करके अहीरवाल के विकास की बजाय अपने निजी हितों को महत्व देकर जनता को क्यों ठग रहे है? विद्रोही ने कहा कि जिस क्षण अहीरवाल के लोग अपना आत्मविश्लेषण करके इस अधंभक्ति को छोडकर अपने हितों व सरोकारों के प्रति सजग होंगे, तभी इस क्षेत्र को विकास में समान भागीदारी मिलेगी और सरकार यहां के जनसरोकारों के प्रति गंभीर होगी अन्यथा अहीरवाल इसी तरह भेदभाव का शिकार होता रहेगा।

समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का हुआ समाधान

जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित हो रहे समाधान शिविर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शिविर में नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य और पेंशन से जुड़ी शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया। जिन मामलों में समय की आवश्यकता थी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में निपटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 6 शिकायत प्राप्त हुई।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शिविर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाधान शिविर नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल समस्याओं के समाधान में मददगार साबित होते हैं, बल्कि प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को भी मजबूत करते हैं। जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर नागरिक की समस्या को गंभीरता से लिया जाए और उन्हें शीघ्र समाधान प्रदान किया जाए। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने प्रदेश सरकार के इस पहल की सराहना की और अपनी समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने के लिए धन्यवाद दिया। कई नागरिकों ने कहा कि समाधान शिविर जैसे आयोजन से उन्हें अपनी शिकायतें सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलता है। शिविर में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया और नागरिकों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें और समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।

आमजन की भागीदारी पर जोर

उपायुक्त ने नागरिकों से अपनी शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविरों का फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रत्येक कार्य दिवस जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के जरिये प्रशासन को अपनी समस्याओं से अवगत कराएं ताकि समस्या का त्वरित समाधान करते हुए नागरिकों को राहत दी जाए। जिला प्रशासन नागरिकों की जनहित को लेकर प्रतिबद्ध है।

आधार कार्ड अपडेट कराने की डेडलाइन आगे बढ़ी, नई डेडलाइन 14 जून 2025

नागरिक जल्द करें आधार कार्ड अपडेट, 'माई आधार पोर्टल' पर स्वयं निशुल्क कर सकते हैं अपडेट

उपायुक्त का जिला वासियों से आधार अपडेट करने का आह्वान, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में ना हो परेशानी।

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार 8 से 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट करने की तारीख को यूआईडीएआई द्वारा आगे बढ़ा दिया गया है, अब नागरिक 14 जून 2025 तक आधार अपडेट किया जा सकता है। आधार कार्ड को अपडेट करने का कार्य धारक स्वयं भी 'माई आधार पोर्टल' (http://myaadhaar.uidai.gov.in/) पर जाकर निशुल्क कर सकता है। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर निर्धारित फीस के साथ कार्ड अपडेट करवाया जा सकता है। उपायुक्त ने नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों ने पिछले आठ या दस सालों में आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है, वे अपने आधार कार्ड में समय रहते अपडेशन जरूर करवा लें ताकि उन्हें भविष्य में सरकारी योजना का लाभ लेने व अन्य किसी प्रयोजन में समस्या पेश ना आए। आधार कार्ड को अपडेट के लिए जो दस्तावेज इस्तेमाल करते हैं उस पर आपका नाम, जन्मतिथि सही होनी चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। सीएससी व आधार सेंटर पर निर्धारित शुल्क (डाक्यूमेंट अपडेशन हेतु 50 व बायोमेट्रिक अपडेशन हेतु 100 रुपये) की अदायगी करते हुए आधार कार्ड अपडेट करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड धारक द्वारा स्वयं ऑनलाइन अपडेट करने पर किसी प्रकार के शुल्क की अदायगी नहीं करनी होगी। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड धारक माईआधारपोर्टल से आधार ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, वहीं माय आधार ऐप में जहां पहचान पत्र के प्रमाण के रूप में स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची भी उपलब्ध है। डीसी ने जिला वासियों से इस आधार कार्ड अपडेट कराने का आह्वान किया है, ताकि सरकारी सेवाओं व योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे।

अपडेशन के लिए ये दस्तावेज जरूरी

मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन कार्ड, पासपोर्ट, सेना कैंटीन कार्ड, डेट ऑफ बर्थ, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोट. पैन कार्ड, मार्क शीट्स, एसएसएलसी बुक/सर्टिफिकेट, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट, पैन कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, एड्रेस प्रूफ, पासपोर्ट, बैंक स्टेटमेंट, पासबुक, राशन कार्ड, डाकघर खाता विवरण, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, बिजली बिल, पानी का बिल आदि दस्तावेज शामिल हैं। इनकी पूरी सूची माईआधार पोर्टल पर उपलब्ध है। इससे पूर्व आधार को ऑनलाइन फ्री में अपडेट करने की समय सीमा 14 दिसंबर, 2024 निर्धारित की गई थी, जिसे आगे बढ़ाते हुए यूआईडीएआई द्वारा 14 जून 2025 तक कर दिया है।

संपादकीय

नक्सलवाद पर लगाम

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलबधियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलबधि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन-स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ।

इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की।

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे है। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदला है। स्थानीय समुदायों का सहयोग इस अभियान की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों में जनता से सीधे संवाद स्थापित किया है। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। स्थानीय सुरक्षा बलों को मजबूत करते हुए उनकी मदद से नक्सलवाद को कमजोर किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल जनता का विश्वास जीता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और स्थिरता लाने में भी मदद की है। इस बीच नक्सलियों पर गहन निगाह रखने के लिए जहां खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया, वहीं उनकी निगाहबानी के लिए तकनीक का भी खूब सहारा लिया जा रहा है। ड्रोन जैसी तमाम तकनीकों के जरिए जहां माओवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, वहीं सटीक सूचनाओं के चलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में भी आसानी हुई है। इसके साथ ही नक्सलियों के लिए की जा रही परोक्ष और अप्रत्यक्ष फंडिंग पर नकेल कसी गई है। हालांकि सरकार के इस कदम को लेकर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ी है। लेकिन केंद्र सरकार ने अपना रूख नहीं बदला। इससे नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ कमजोर हुई है। गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। नक्सलवाद पर नकेल कितना कारगर रहा है, इसका ही असर है कि देश के अब सिर्फ 38 जिले ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे जिलों की संख्या 120 से अधिक थी। नक्सलवाद से जुड़े सिमटते आंकड़े ही बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की नक्सलविरोधी रणनीति की दिशा सही है।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

अमित गोयल जी की तरफ से आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

लाल भगवान दास गोयल जी की तरफ से सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

ओलावृष्टि से खराब हुई फसल का तहसीलदार ने किया मौका निरीक्षण

किसानों को दिया उचित सर्वे रिपोर्ट बनाने का आश्वासन, जल्द ओपन होगा क्षतिपूर्ति पोर्टल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना क्षेत्र के सात गावों में हाल ही में बारिश के साथ हुई औलावृष्टि से खराब हुई सरसों की फसल का कनीना के तहसीलदार संजीव नागर ने मौका निरीक्षण कर किसानों को उचित मुआवजे का आश्वासन दिया। किसानों ने खराब फसल के मुआवजे की मांग को लेकर सोमवार को एसडीएम कनीना, प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री तथा मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था। किसों ने ज्ञापन में कहा था कि सरसों की फसल में अत्यधिक नुकसान हुआ है जबकि रिपोर्ट कम की तैयार की गई है। बीते शनिवार को औलावृष्टि प्रभावित फसलों का कृषि एवं भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वरा खेतों में जाकर जायजा लिया था। कृषि विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ अजय यादव ने कहा कि कनीना विकास खंड में करीब 32 हजार

हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि में से 19500 हैक्टेयर भूमि पर सरसों तथा 9700 हैक्टेयर भूमि पर गेहूं की बिजाई की गई है। जिनमें बीते शुक्रवार रात्री के समय बारिश के साथ हुई औलावृष्टि से 7 गावों पोता, स्याणा, सेहलंग, अगिहार, बागोत, तलवाना,खेडी में हजारों एकड सरसों की फसल में अत्यधिक नुकसान की उम्मीद है। ज्ञापन मिलने के बाद तहसीलदार संजीव नागर, कानूनगो उमेद सिंह जाखड,पटवारी संजीत कुमार, पटवारी मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, महेंद्र सिंह ने खराब हुई फसल का अवलोकन किया ओर किसानों को क्षतिपूर्ति पार्टल पर नुकसान अपलोड करने को कहा। उन्होंने कहा कि औलावृष्टि से खराब हुई फसल की उचित सर्वे रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। दूसरी ओर इस बारिश के बाद किसानों को रबि फसल में सिंचाई से छुटकारा मिला है। तापमान में गिरावट आने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। पिछले 5 दिन से आसमान में बादलवाइ होने से कडाके की ठंड से जन-जीवन ठहरा हुआ है। इस मौके पर किसान हनुमान सिंह, रामसिंह, देवेंद्र सिंह, छत्रपाल सिंह, बीर सिंह, मुकेश यादव, संतलाल, राजेश, सुभाष, लोकेश, कुलदीप, सतीश उपसंथित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व: चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की श्रद्धांजलि-सभा में पहुंचे भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मंगलवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नसीमा हुसैन एडवोकेट ने सिरसा जिले के गाँव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री स्व: चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की श्रद्धांजलि-सभा में शिरकत कर उन्हें ख़िराज-ए-अकीदत पेश की। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा, हरियाणा के राज्यपाल

महामहिम बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली के अलावा देश की हजारों जानी मानी हस्तियाँ पहुंची।

मरिया मंजिल विद्यालय नूंह के प्रांगण में धूमधाम मनाया क्रिसमस पर्व पर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मरिया मंजिल विद्यालय में पिछले बीते हफ्ते क्रिसमस त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किए गए। मारिया मंजिल स्कूल की शुरुआत 2002 में एक छोटे से हाल में 40 बच्चों के साथ प्रारंभ किया गया, तत्पश्चात 2005 में विद्यालय भवन का उद्घाटन हुआ तब से इस विद्यालय ने दिन दोगुनी रात चौगुनी उन्नति करते हुए, ऐसा मुकाम हासिल कर लिया कि पूरे मेवात क्षेत्र में मरिया मंजिल विद्यालय शिक्षा गुणवत्ता वाला दूसरा विद्यालय नहीं है।

इस विद्यालय का एक ही उद्देश्य है कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण करते हुए सर्वांगीण विकास करना व शिक्षा के क्षेत्र में उच्च कीर्तिमान स्थापित करना। 23 दिसंबर 2024 को विद्यालय के प्रांगण में क्रिसमस के शुभ अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत सिंह चहल व कोऑर्डिनेटर एफ.एल.एन.कुसुम मलिक उपस्थित रहे। तथा विद्यालय प्रबंधन की ओर से फादर अल्फोंस शाह चांसलर आफ दिल्ली आर्च डायसिस, विद्यालय के मुख्य प्रबंधक फादर इरूदय कुमार, प्रधानाचार्य सिस्टर हेलन व मुख्य अध्यापक फादर जोस स्टीफन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व प्रार्थना नृत्य से की गई। बच्चों ने हरियाणवी नृत्य, पंजाबी नृत्य, गोवा नृत्य व गुजराती नृत्य आदि कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये और अपनी योग्यता व कला का परिचय दिया। बच्चों ने ईसाई धर्म के प्रवर्तक प्रभु ईसा मसीह के जन्म की झलक एक लघु नाटिका द्वारा प्रस्तुत की और क्रिसमस के महत्व को प्रदर्शित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने संदेश में बताया कि क्रिसमस प्रेम, प्रसन्नता और शांति का त्यौहार है। उन्होंने कहा कि चाहे हम कितनी भी कठिनाइयों का सामना करें उम्मीद की किरण हमेशा मौजूद रहती है। अत: आइए, इस क्रिसमस पर हम सब मिलकर इस विश्व को रहने के लिए बेहतर जगह बनाएं। इस मौके पर मुख्य अतिथि परमजीत सिंह चहल ने क्रिसमस की बधाई देते हुए बच्चों के कार्यक्रम को खूब सराहा और विद्यालय के सुखद भविष्य की कामना की।

वहीं कुसुम मलिक ने निजी विद्यालय और मिशनरी विद्यालय में अंतर बताते हुए कहा कि निजी विद्यालय संपूर्ण नहीं होते जबकि मिशनरी विद्यालय संपूर्ण होते हैं। निजी विद्यालयों में शिक्षकों की योग्यता के मामले में ज्यादा लचीलापन होता है, वही मिशनरी विद्यालय में हायर सेकेंडरी एजुकेशन और मिशनरी एजुकेशन को सरकार द्वारा सुनिश्चित मापदंडों के अनुसार पढ़ाया जाता है। कुसुम मलिक ने भी कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए विद्यालय की उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर फादर इरूदय कुमार ने मुख्य अतिथि का आभार प्रकट करते हुए क्रिसमस की बधाइयां दी और सबके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के अभिभावकगण व समस्त शिक्षकगण तथा विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यगण उपस्थित रहे।

जल संरक्षण में महिलाओं की विशेष भागीदारी: संदीप शर्मा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। महिला एंव बाल विकास विभाग की तरफ से 2 सर्कल बावला व सर्कल पढ़ेंहनी की मीटिंग का आयोजन गांव बावला व सर्कल सेंटर में किया गया जिसमें गांव बावला पढ़ेंहनी सर्कल के तहत आने वाले गांव सिल्खो नानुका डीलमकीं मसीत ग्वारका पंचगांवा चीला चीलावली बावला, छारोड़ा, नई नंगला, बुराका, पिपाका, किरुरिका, धुलावट ,खड़खडी, राहेडी ,माहलाका ,साहलाका, घुसबैठी, पाटुका, भूतलाका आदि गांवों की आंगनवाडी वर्कर ने आज की इस सर्कल मीटिंग में बढ़ चढ़ कर भाग लिया व पबलिक हेल्थ विभाग की तरफ से जल एंव स्वच्छता सहायक संगठन की तरफ से आयें खंड संयोजक संदीप शर्मा ने जल संरक्षण व जल की गुणवत्ता व टोल फ्री नंबर के बारे में ग्रामीण महिलाओं व

आंगनवाड़ी वर्कर को विस्तार से बताया और साथ ही जल की बर्बादी को रोकने के लिये व जल संरक्षण के लिये आंगनवाडी वर्कर ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जागरूक करें व सरकार की इस मुहिम में अपना विशेष योगदान दे और ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को व गांव की महिलाओं को जल संरक्षण का गुणवत्ता का पाठ पढ़ायें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जल संरक्षण का पाठ पढ़ायें और साथ ही सूपरवाईजर कांता व सूपरवाईजर अनिता ने बताया की हरि सब्जियों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में लाए और अपने आंगनवाडी सेंटर व अपने घरों के आस पास साफ सफाई भी रखें ताकि गंदगी से होने वाली बीमारियों से बचा ज़ा सके और हमें शुध्द व स्वच्छ जल का प्रयोग पीने के लिये करना चाहिये ताकि हमें पानी से होने वाली बीमारियों से भी बचा जा सके और संदीप शर्मा ने बताया की ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और और ग्रामीणों को रैली के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जाएं ताकि युवाओं द्वारा जागरूकता अभियान के तहत जल संरक्षण के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जाएं इस मौके पर विभन्न गांवों की आंगनवाडी रही मौजूद रही सुशीला, सुषमा, रिहाना, मुबीना, रुक्सार, शशीबाला, सबिला, मैमुना, अखलिमा, शहनाज, साकिरा ,नुसरत ,पुष्पा ,राजबाला ,विधावती निशा देवी, जरीना, गीता देवी, रेखा आदि उपसंतिथ रही।

कार-बाइक की टक्कर में दो घायल, केस

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली सडक मार्ग पर घटित एक सडक हादसे में दो व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस बारे में अजीत वासी बहु झोलरी, हाल आबाद पडतल ने कनीना सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बीती 28 नवंबर को ढाणा निवासी जितेंद्र की बाईक पर सवार होकर कनीना जा रहे थे। इसराना चैक के समीप पंहुचे तो एक सफेद रंग की कार ने उनकी बाईक को टक्कर मार दी। जिससे वे घायल हो गए। राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को उप नागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें पीजीआईएमएस रोहतक रैफर दिया। पुलिस ने हादसे के आरोपी कार चालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर कनीना में हुआ भंडारे का आयोजन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को कनीना-अटेली मोड पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें जरूरतमंद नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। राजस्व विभाग के कानूगो राजसिंह के अलावा मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, विक्रम सिंह, महेंद्र सिंह, कंवर सिंह यादव, मनोज यादव के सहयोग से मंगलवार सुबह सुबह साढे बजे संचालित किए गए इस भंडारे में यात्रियों,स्थनीय दुकानदारों तथा झुग्गी-झोंपडी में रहने वाले नागरिकों प्रसाद ग्रहण किया। मनोज यादव ने कहा कि नव वर्ष आमजन के लिए उन्नतिभरा रहे।

मृतक का पिता न्याय की मांग को लेकर जल्द शुरू करेगा अनशन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। गांव बागोत में 26 वर्षीय युवक मोहित द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के 18वें दिन मंगलवार को भी शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका। मृतक के पिता कैलाशचंद ने कार्रवाई की मांग को लेकर सर्दी के मौसम में कपडे उतार कर अनशन पर बैठने की बात कही है। अनशन कब से तथा कहां करेगें इस बारे में अभी शंसय बना हुआ है। उनका मानना है कि पुलिस सुसाइड नोट पर कार्रवाई करती है। उसके मृतक बेटे ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा लेकिन सरकार व प्रशासन से न्याय नहीं मिला तो वे भी सुसाईड करेगें जिसका नोट पहले ही लिखकर तैयार कर लिया है। जिसे एक 'यू ट्यूब 'लिंक पर जारी किया गया है। जिसमें अनशन की तिथि व स्थान का उल्लेख नहीं किया गया है। नोट में पूर्व मंत्री सहित 8 व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। जिन पर कार्रवाई के लिए प्रदेश एवं केंद्र के जनप्रतिनिधियों को पत्र भेजा जायेगा उसके बाद अनशन शुरू किया जायगा। इससे पूर्व उनकी ओर से अपने पुत्र का अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट,वाराणसी, काशी में अंतिम संस्कार करने की बात कही जा रही थी। प्राथमिकी न होने पर वे न्याय के लिए 7 जनवरी के बाद कोर्ट की शरण में जाएगें। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा गांव के मोजिजान लोगों तथा रिश्तेदारों द्वारा मृतक के पिता कैलाशचंद को समझाने के काफी प्रयास किए जा चुके हैं। लेकिन वे पहले प्राथमिकी दर्ज करने करने की बात पर अडे हुए हैं। पुलिस उन्हें साक्ष्य उपलब्ध करवाने की बात कह रही है। मृतक 26 वर्षीय युवक मोहित का शव पोस्टमार्टम बीती 14 दिसंबर को किया गया था। उसका शव पिछले 18 दिन से उप नागरिक अस्पताल कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है।

यूरिया के लिए मची मारा-मारी

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। यूरिया खाद लेने के लिए लोगों के बीच मारा-मारी देखने को मिली। यूरिया लेने के लिए मंडी में विक्रय केंद्र पर मंगलवार को यूरिया खाद का वितरण किया जा रहा था। इस दौरान यूरिया लेने वाले लोगों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी और युवा, बुजुर्ग महिला सब लाइनों में दिखाई दिए। कांग्रेस के युवा हल्का प्रधान धर्मवीर दुहन ने कहां की बीजेपी सरकार पहले डीएपी की और अब यूरिया खाद को लेकर गंभीर नहीं हैं। बीजेपी नेताओं को किसानों और युवाओं को लाइन में लगाने काम किया है।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

डरपोक निकली पाकिस्तानी सेना : मिलिट्री बेस छोड़ भागी, जश्न मनाते दिखे तालिबानी लड़ाके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना कितनी बहादुर है इसकी पोल उस वक्त खुल गई जब तालिबानी लड़ाकों के आगे पाकिस्तानी सेना मिलिट्री बेस कैंप छोड़कर भाग गई। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर कब्जा कर लिया। इस घटना ने पाकिस्तान को गहरा झटका दिया है। तालिबानी लड़ाकों ने पोस्ट से पाकिस्तान का झंडा हटाकर टीटीपी का झंडा लहरा दिया और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उन्हें हथियारों के साथ जश्न मनाते देखा गया। इस हमले में हुई भारी गोलाबारी के कारण 19 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तानी सेना के इस पोस्ट पर कब्जे को सीमा पर बढ़ते तनाव का नतीजा माना जा रहा है। अफगानिस्तान के साथ पिछले कुछ दिनों से जारी संघर्ष और इस घटना ने क्षेत्रीय स्थिति को और जटिल बना दिया है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने भी 28 दिसंबर को बयान जारी कर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की। मंत्रालय के मुताबिक, अफगानिस्तान पर हालिया हवाई हमलों के जवाब में उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। तालिबान समर्थक मीडिया संगठन ने बताया कि इन हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि तीन अफगान नागरिक भी हिंसा का शिकार हुए। यह झड़प तब शुरू हुई जब 23 दिसंबर को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में तालिबानी विद्रोहियों के एक ट्रेनिंग सेंटर को नष्ट करने का दावा किया। इस अभियान में कई लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और हिंसा ने दोनों देशों के बीच स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

चीनी बुलेट ट्रेन की स्पीड इतनी कि, 1 घंटें में दिल्ली से लखनऊ पहुंचा दे

बीजिंग। चीन ने नई हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का अपडेटेड मॉडल लॉन्च किया है। इसकी स्पीड इतनी है कि एक घंटे में लखनऊ से दिल्ली पहुंचा जा सकता है।इस ट्रेन को कंपनी ने दुनिया की सबसे तेज बुलेट ट्रेन बताया है। टेस्ट के दौरान 450 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। चीन स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के मुताबिक, इस नए मॉडल का नाम सीआर 450 प्रोटोटाइप रखा गया है। यह ट्रेन यात्रा के समय को और कम करने और देश के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी देने में मदद करेगी। इस ट्रेन ने न केवल स्पीड, बल्कि ऊर्जा खपत, अंदर के शोर और ब्रेकिंग डिस्टेंस जैसे कई मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड स्थापित किए हैं। बात करें भारत की तो अभी हमारे देश में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन वंदे भारत है जो कुछ ट्रैक पर 160 केएमपीएच की रफ्तार से चलती है। वैसे भारत सरकार लगातार ट्रैक को मजबूत करते हुए ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। अगर भविष्य में चीन की सबसे तेज बुलेट ट्रेन सीआर 450 भारत में चले तो यह यात्रा को सुपरफास्ट बना सकती है। ऐसे में अगर आप दिल्ली से लखनऊ जा रहे हैं तो इस ट्रेन में आपको केवल 1 घंटे 4 मिनट ही लगेंगे। अभी लखनऊ से दिल्ली आने में भारत की सबसे तेज ट्रेन वंदे भारत करीब 6 घंटे 20 मिनट लेती है। चीन में अभी 47,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल ट्रैक का नेटवर्क है, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ता है। हालांकि, यह नेटवर्क मुनाफे में नहीं है लेकिन सरकार का कहना है कि इसने आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीजिंग-शंघाई ट्रेन सेवा सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली है जबकि अन्य रूट्स पर यह लाभकारी साबित नहीं हुई है।

भारतीय नर्स की फांसी को मंजूरी

सना। यमन में कैद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा की भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है। यमन के राष्ट्रपति ने मौत की सजा को मंजूरी दे दी है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सरकार इस मामले में हर संभव मदद मुहैया करा रही है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। केरल की रहने वाली निमिषा पर यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा ने 2017 में महदी को ड्रग को ओवरडोज देकर मार दिया था। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था।

पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट

सियोल। साउथ कोरिया में पद से हटाए गए राष्ट्रपति योन सुक योल के खिलाफ मंगलवार को सियोल की एक कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी कर दिया है। यून को मॉर्शल लॉ लागू करने की नाकामयाब कोशिश के बाद 14 दिसंबर को महाभियोग लाकर पद से हटा दिया गया है। ऐसा देश में पहली बार हो रहा है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। सियोल की जिला अदालत ने करप्शन इंवेस्टिगेशन ऑफिस के सीनियर अधिकारियों के इसके लिए निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उनके राष्ट्रपति आवास की तालाशी लेने के लिए भी आदेश दिए गए हैं। यून ने 4 दिसंबर को देर रात देश में इमरजेंसी (मार्शल लॉ) लागू करने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान बना रहा देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर प्लांट

-1200 मेगावाट तक होगी क्षमता, चीन की मदद से डिजाइन तैयार

कराची। पाकिस्तान बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए अब तक का अपना सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने जा रहा है। इसके लिए पाकिस्तान की परमाणु ऊर्जा नियामक एजेंसी ने देश में बिजली उत्पादन के लिए इसकी मंजूरी दे दी है। इस प्लांट की डिजाइन चीन की कंपनी हुआलोंग ने की है। पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) ने बयान जारी कर कहा है कि पीएनआरए ने चश्मा परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई पांच (सी-5) के निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया है, जो 1,200 मेगावाट क्षमता के साथ परमाणु ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा प्लांट होगा। सी-5 तीसरी पीढ़ी का एडवांस प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर है। इसे बनाने में करीब 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किया जाएगा। इसके लिए पाकिस्तान की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति ने पहले ही मंजूरी दे दी है। इसमें डबल-शेल कंटेनमेंट और रिएक्टर-फिल्टर वेंटिंग सिस्टम शामिल हैं। ये प्लांट 60 साल तक अपनी सेवाएं देगा। पाकिस्तान में इस डिजाइन का तीसरा न्यूक्लियर पावर प्लांट है। इसके अलावा दो अन्य प्लांट कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूनिट 2 और 3, पहले से ही काम कर रहे हैं।

न्यूक्लियर सेफ्टी से जुड़े डॉक्यूमेंट की हुई जांच

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग ने इस साल अप्रैल में लाइसेंस के लिए आवेदन किया था और उसने इसके साथ ही प्रारंभिक सुरक्षा आंकलन रिपोर्ट और परमाणु सुरक्षा, रेडिएशन प्रोटेक्शन, इमरजेंसी की तैयारी, वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े परिचालन संबंधी पहलुओं और डिजाइन के बारे में कई डॉक्यूमेंट्स भेजे थे। पाकिस्तान में अभी टोटल न्यूक्लियर पावर कैपेसिटी करीब 3500 मेगावाट है जो देश के कुल पावर प्रोडक्शन का लगभग 27 प्रतिशत है। पाकिस्तान के पास कराची-3 नाम का न्यूक्लियर प्लांट भी है जिसकी क्षमता करीब 1000 मेगावाट है।

सियोल में राष्ट्रपति यून सुक के खिलाफ जांच के लिए जारी गिरफ्तारी वारंट का विरोध करते हुए लोगों में पोस्टर लेकर शामिल एक महिला।

चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में लगाई सेंध, उड़ाए गोपनीय दस्तावेज

वॉशिंगटन। चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सिस्टम्स में सेंध लगाकर कई अहम दस्तावेज उड़ा लिए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक चाइनीज स्पॉन्सर्ड हैकर ने एम्प्लॉयी वर्कस्टेशन और गोपनीय दस्तावेजों को हैक कर लिया। ट्रेजरी विभाग ने एक पत्र लिखकर सांसदों को

इसकी जानकारी दी है। विभाग ने इस बड़ी घटना बताते हुए कहा कि इस मामले की जांच के लिए एफबीआई और दूसरी एजेंसियों की मदद ली जा रही है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनके देश पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और अमेरिका के पास इसका कोई सबूत नहीं है। ट्रेजरी विभाग ने सांसदों को लिखी चिट्ठी में कहा है कि चीनी हैकर ने एक थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक की के जरिए सिक्योरिटी ब्रीच की है। यह सर्विस प्रोवाइडर कर्मचारियों को रिमोट टेक्निकल सपोर्ट मुहैया करता है। ट्रेजरी विभाग में इस बात का खुलासा नहीं किया कि हैकर्स ने किस तरह की फाइलों को उड़ाया है। चीनी हैकिंग के असर का पता लगाने के लिए ट्रेजरी विभाग एफबीआई के साथ-साथ साइबरसिक्योरिटी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी और थर्ड पार्टी फोरेंसिक इनवेस्टिगेटर्स के साथ भी काम कर रहा है। ट्रेजरी विभाग को 8 दिसंबर को बताया गया था कि 2 दिसंबर को कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। लेकिन कंपनी को यह तय करने में तीन दिन लग गए कि यह हैकिंग थी।

कितनी खतरनाक साबित हो सकती है बर्ड स्ट्राइक

लंदन (एजेंसी)। एरोप्लन के साथ बर्ड स्ट्राइक क्या होती है और कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। आइए, इस बारे में आज जानकारी देते हैं। दरअसल विमान से जब पक्षियों की टक्कर होती है तो इसे बर्ड स्ट्राइक कहते हैं। यह विमान सुरक्षा के लिए सबसे सामान्य लेकिन गंभीर खतरों में से एक है। बर्ड स्ट्राइक ज्यादातर टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान ही होती है। हालांकि, हर बर्ड स्ट्राइक घातक नहीं होती। लेकिन कुछ मामलों में यह बड़े हादसों का कारण बन सकती है। जब पक्षी विमान के ढांचे से टकराते हैं तो आमतौर पर यह गंभीर समस्या नहीं होती। लेकिन अगर पक्षी विमान के इंजन में घुस जाएं तो यह इंजन को क्षतिग्रस्त कर सकता है। जिससे थ्रस्ट (गति) की कमी और कंट्रोल में कठिनाई हो सकती है। इंजन में पक्षियों के फंसने से इंजन की फैन ब्लेड्स को भारी नुकसान हो सकता है। इससे इंजन फेल हो सकता है। ऐसी स्थिति में पायलट आमतौर पर विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका में 2009 में बर्ड स्ट्राइक का बड़ा मामला सामने आया था। उस वक्त न्यूयॉर्क से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद यूएस एयरवेज की फ्लाइट 1549 के दोनों इंजन पक्षियों के झुंड से टकराने के कारण फेल हो गए। कैप्टन चेस्ली सुलनबर्गर ने विमान को हडसन नदी में

सुरक्षित लैंड कराया और सभी 155 यात्री बच गए। छोटे विमानों को बर्ड स्ट्राइक से ज्यादा नुकसान पहुंचता है। हालांकि, बड़े यात्री विमान जैसे बोइंग 737 और एयरबस ए320 एक इंजन के सहारे भी सुरक्षित लैंडिंग करने में सक्षम होते हैं। लेकिन टेक-ऑफ और लैंडिंग जैसे महत्वपूर्ण चरणों के दौरान बर्ड स्ट्राइक पायलट का ध्यान भटका सकती है। जिससे हादसे की संभावना बढ़ जाती है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों की मौजदूगी बर्ड स्ट्राइक की सबसे बड़ी वजह है। मानसून के दौरान पानी के जमाव और कीड़ों की बढ़ती संख्या पक्षियों को इन इलाकों में आकर्षित करती है। इसके अलावा एयरपोर्ट के पास कूड़े के ढेर या लैंडफिल साइट्स भी पक्षियों की गतिविधि को बढ़ा सकते हैं। 2019 में अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हर 10,000 उड़ानों में 11 वाइल्डलाइफ स्ट्राइक की घटनाएं हुईं। इसका एक बड़ा कारण कूड़े के ढेर को हटाने के बाद पक्षियों का बेतरतीब उड़ान भरना था। भारत में नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए ने वाइल्डलाइफ स्ट्राइक को प्राथमिकता दी है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति को कम करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जाते हैं। आधुनिक जेटलाइनर में टर्बोफैन इंजन होते हैं। जिनमें पक्षियों के टकराने से गंभीर क्षति हो सकती है। इंजन निर्माता इसकी सुरक्षा जांच के लिए तेज गति से चल रहे इंजन पर जमी हुई मुर्गी को फायर करके परीक्षण करते हैं। दक्षिण कोरिया में हुए प्लेन क्रैशन ने फिर से विमान सुरक्षा में बर्ड स्ट्राइक की गंभीरता को उजागर किया है। बता दें कि दक्षिण कोरिया के भयानक प्लेन क्रैश में 170 से अधिक लोगों की जान चली गई। यह हादसा मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस वक्त हुआ जब विमान लैंडिंग करते समय रनवे से फिसलकर दीवार से टकरा गया। देखते ही देखते पूरा विमान आग की लपटों में घिर गया। मुआन फायर स्टेशन के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने क्रैश के कारणों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि विमान पर चिड़ियों की टक्कर (बर्ड स्ट्राइक) भी इस हादसे का संभावित कारण हो सकती है।

शपथ लेने से पहले ट्रंप को झटका, यौन शोषण मामले में कोर्ट ने नहीं दी राहत

-कोर्ट ने अपील की खारिज, 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को रखा बरकरार

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी की अपीलीय अदालत ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यौन शोषण मामले में राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने ट्रंप की अपील को खारिज करते हुए फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें ट्रंप को लेखिका कैरोल के यौन शोषण और मानहानि के लिए 5 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया गया था। यह मामला 1996 में मैनहट्टन के डिपार्टमेंटल स्टोर में हुई घटना से जुड़ा है।

जूरी ने पिछले साल मुकदमे के बाद ट्रंप को दोषी माना था और आदेश दिया था। इसके खिलाफ ट्रंप ने अपील की थी लेकिन उनकी अर्जी अब खारिज कर दी गई है। ट्रंप के खिलाफ ये फैसला ऐसे समय आया है, जब वह दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। अमेरिकी सर्किट अपीली अदालत ने फैसले में जीन कैरोल के मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहटन के जूरी की ओर से ट्रंप पर लगाए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को बरकरार रखा है।

कैरोल ने 2023 के एक मुकदमे में गवाही दी थी कि 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था, जब वे अचानक स्टोर के ड्रेसिंग रूम में घुस गए थे। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि इस तरह की कोई घटना हुई, लेकिन अदालत से लगातार उन्हें झटके लग रहे हैं। कैरोल, एक पत्रिका की स्तंभकार रही है। उनके यौन शोषण के लिए ट्रंप को 2 मिलियन डॉलर और मानहानि के लिए 3 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश अदालत ने दिया है।

ट्रंप के प्रवक्ता ने कहा कि यौन शोषण और मानहानि के मामले में 5 मिलियन डॉलर के हर्जाने के खिलाफ आगे अपील करेंगे। चेउंग ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी लोगों ने भारी बहुमत से राष्ट्रपति ट्रम्प को फिर चुना है। वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल खत्म और सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं।

सीरिया में पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज

दमिष्क। युद्धग्रस्त सीरिया के सैन्य बलों ने पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है। अंतरिम प्रशासन पूर्व शासन के अवशेष असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। शनिवार को सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप पुनर्गठित करने का वादा किया। खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया। खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे।

तालिबान का नया फरमान, अफगानिस्तान में अब घरों में नहीं होंगी खिड़कियां

-सर्वोच्च नेता का आदेश- महिलाओं को देखने से हो सकती अश्लील हरकतें

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में महिलाओं के हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों का आस थी कि यहां हालात बदलेंगे और महिलाओं को उनके अधिकारी मिलेंगे लेकिन अब महिलाओं के खिलाफ एक नया कानून बना दिया गया है। नए कानून में घरों में खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। महिलाएं बाहर न देखें इस लिए यह कानून बनाया है। तालिबान सरकार के सर्वोच्च नेता ने यह आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि महिलाओं की झलक मिलने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट कहा कि नई इमारतों में ऐसी खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि महिलाओं को किचन में काम करते हुए, बरामदे में आते-जाते या कुएं से पानी लेते हुए देखने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के मुताबिक म्यूनिसिपल अधिकारी और अन्य संबंधित विभाग नए बन रहे घरों पर नजर रखेंगे। उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि इन घरों में पड़ासियों के घर की तरफ खिड़की या झरोखा न खुला हो। अगर किसी घर में पहले से पड़ोसी के घर की तरफ खिड़की खुली है तो इसके लिए उसे इंतजाम करने होंगे। मकान मालिक को या तो खिड़की तरफ दीवार बनानी होगी या फिर कुछ ऐसा इंतजाम करना होगा, जिससे पड़ोसी उस जगह से घर में न देख सके। न तो महिलाओं को बाहर से कोई देख पाए और न ही वो किसी बाहरी आदमी को देख पाएं। गौरतलब है कि अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से ही तालिबान सरकार महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिबंध लगा रही है।

भारत पर लगा मुइज्जू को हटाने की साजिश का आरोप, नशीद ने किया बचाव

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है

माले (एजेंसी)। अमेरिकी में एक अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है मालदीव की विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेताओं ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को हटाने की साजिश के लिए भारत से 6 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक कथित तौर पर भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का एक एजेंट मालदीव के विपक्षी नेताओं के संपर्क में था ताकि मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें सत्ता से हटाया जा सके। इन आरोपों पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भारत के समर्थन में आ गए हैं।

मोहम्मद नशीद ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक रिन्युअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज में विपक्षी नेताओं ने 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्रस्ताव रखा था, जिसमें मुइज्जू की पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस के सदस्य भी शामिल थे, ताकि उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न पार्टियों को भुगतान करने के लिए साजिशकर्ताओं ने 6 मिलियन डॉलर की मांग की जो भारत से जुटाए जाने की बात कही गई।

रिपोर्ट में दावे के मुताबिक अमेरिका में भारतीय दूतावास में रॉ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी ने शिरीष थोरेट और पत्रकार-राजनेता सवियो रोड्रिग्स के साथ मिलकर मुइज्जू को हटाने की चर्चा की। रिपोर्ट के मुताबिक थोरेट और रोड्रिग्स ने योजना की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे या नहीं। भारत की तरफ से इसपर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मुझे राष्ट्रपति के खिलाफ किसी गंभीर साजिश की जानकारी नहीं थी; हालांकि कुछ लोग हमेशा षड्यंत्र की दुनिया में जीते हैं। भारत कभी भी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेगा, क्योंकि वे हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी भी हम पर शर्तें नहीं थोपी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 9 जनवरी को डीसी में होगा अंतिम संस्कार

-ट्रंप ने कहा-कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह देश के लिए अहम समय था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार 9 जनवरी को वाशिंगटन डीसी में किया जाएगा। अंतिम संस्कार का दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया है। बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के लिए एक श्रद्धांजलि भाषण दे सकते हैं। कार्टर के सम्मान में 9 जनवरी को संघीय कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि शोक दिवस के मौके पर 9 जनवरी को कोर्ट भी बंद रहेगा। कार्टर का रविवार को 100 साल की उम्र में निधन हो गया था।

कार्टर को सम्मानित करने वाली सेवाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें जॉर्जिया में उनके बचपन के घर और पारिवारिक फार्म पर पार्थिव देह ले जाई जाएगी। फिर जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में रखा जाएगा। वाशिंगटन, डीसी जाने से पहले, कार्टर का शव 7 जनवरी तक अटलांटा के कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा जाएगा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर यूएस नेवी मेमोरियल और फिर यूएस कैपिटल ले जाया जाएगा। कैपिटल पहुंचने पर 7 जनवरी को कांग्रेस के सदस्य दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई 9 जनवरी को सुबह 10 बजे नेशनल कैथेड्रल में दी जाएगी।

सांसदों ने एक संयुक्त बयान में कह कि राष्ट्र के प्रति राष्ट्रपति कार्टर की लंबी और विशिष्ट सेवा को सम्मानित करते हुए उनके अवशेषों को संयुक्त राज्य कैपिटल के रोटुंडा में रखा जाए ताकि अमेरिकी जनता को भी राष्ट्रपति कार्टर को अंतिम विदाई देने का मौका मिल सके। रविवार को ट्रुथ सोशल पर अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा- राष्ट्रपति के रूप में जिमी कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह हमारे देश के लिए एक अहम समय था और उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोशिश की। उन्होंने हमेशा अमेरिकियों के लिए काम किया। ट्रंप ने कहा कि इसलिए हम सभी उनके आभारी हैं।

कार्टर को 2002 में उनके वैश्विक मानवाधिकार कार्यों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनके दशकों तक किए गए कठिन प्रयास भी शामिल थे। कार्टर ने 1982 में अपनी पत्नी के साथ कार्टर सेंटर की स्थापना की और

इसके जरिए उन्होंने विकासशील देशों में मानवाधिकारों की बहाली और लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण पर दशकों तक काम किया।

अडानी ने साल जाते-जाते की जमकर कमाई, सूची में चढ़े एक स्थान ऊपर

दुनिया के टॉप 17 अमीर लोगों की नेटवर्थ में आई गिरावट

नई दिल्ली।

कल दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दुनिया के टॉप 20 अमीर लोगों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी बनी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी नजर आई। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में एक स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 फीसदी की तेजी देखी गई। इसके साथ ही अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट रही और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 193 अरब डॉलर के साथ चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट 176 अरब डॉलर पांचवें, लैरी पेज 170 अरब डॉलर के साथ छठे, सर्गेई ब्रिन 160 अरब डॉलर सातवें, बिल गेट्स 160 अरब डॉलर आठवें, स्टीव बालमर 148 अरब डॉलर नौवें और वॉरेन बफे 142 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर जमे हुए हैं।

नए साल के स्वागत में शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा

बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंग हुई

शिमला ।

नए साल के आगमन का स्वागत करने के लिए शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंगें हो गई हैं और होटल मालिकों का कहना है कि 31 दिसंबर तक होटल शायद पूरी तरह से भरे जा सकते हैं। यहां पर्यटक नए साल के मौके पर बर्फबारी का मजा लेने आ रहे हैं, लेकिन कुछ उपरोक्त पर्यटकों को बर्फबारी में देरी की खबर थोड़ा निराश कर रही है। दिल्ली के दिलशाद गार्डन से आए एक पर्यटक ने बताया कि हम शिमला न्यू ईयर मनाने के लिए आए थे और जब यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी। हम यहां क्रिसमस का जश्न नहीं मना पाए, लेकिन अब न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए आए हैं। माल रोड पर बहुत भीड़ है, लोग यहां घूमने आ रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद अगले दो-तीन दिन में जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल हमें कोई आस नजर नहीं आ रही। हम 2-3 जनवरी तक यहां रुकेंगे, फिर दिल्ली लौट जाएंगे। हरिद्वार से शिमला पहुंचे पर्यटक ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने दोस्तों के साथ यहां आनंद ले रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक नहीं हो रही। हम बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही यह देखने को मिले। शिमला का माहौल इस समय बेहद उत्साहपूर्ण है, और पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, ताजगी और खूबसूरत दृश्य का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। होटल और रिसॉर्ट्स के मालिकों का मानना है कि अगर पर्यटकों का तांता इसी तरह जारी रहा, तो शिमला के प्रमुख पर्यटन स्थल जल्द ही पूरी तरह से भरे होंगे।

अदाणी एंटरप्राइजेजः लांग टर्म निवेश के लिए अच्छा विकल्प

अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर को 'बाय' रेटिंग मिली

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच अगर आप लांग टर्म निवेश के लिए किसी क्वॉलिटी शेयर की तलाश में हैं, तो अदाणी एंटरप्राइजेज एक अच्छा विकल्प हो सकता है। एक ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है और इसका टार्गेट प्राइस 3801 रुपये प्रति शेयर तय किया है। वर्तमान में अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2585 रुपये पर कारोबार कर रहा है, जिससे प्रति शेयर उन्हें 48 फीसदी का अपसाइड मिल सकता है। अदाणी एंटरप्राइजेज (एईएल) एक ऐसी कंपनी है जो अपनी सफलता की कहानी लिख रही है।

चाहे वो अदाणी पोर्ट्स हों, अदाणी ग्रीन एनर्जी हो, या अदाणी टोटल गैस हो, कंपनी ने अपने क्षेत्र में अपनी जगह बना ली है। अब यह कंपनी ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल, डेटा सेंटर्स, और रोड कंस्ट्रक्शन जैसे नए सेक्टर्स में कदम बढ़ा रही है। हाल ही में अदाणी एंटरप्राइजेज ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनकी ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में 101.5 एमडब्ल्यू का इलेक्ट्रोलाइजर प्रोजेक्ट उन्होंने सफलतापूर्वक पूरा किया है। साथ ही, नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहले आईएएफ विमान का स्वागत किया गया और कई नए रूट्स और उड़ानें शुरू की गईं। इसके अलावा, उन्होंने डेटा सेंटर्स में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है और बंगाल और तेलंगाना में दो बड़े रोड प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज की आय, एबिटेडा और शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 24-27 के बीच क्रमशः 17.5, 37.5 और 45.8 फीसदी की ग्रोथ की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर का टार्गेट प्राइस 3801 रुपए है।

इससे साफ है कि इस स्टॉक में लॉन्ग टर्म निवेश करने से आप बड़ा रिटर्न कमा सकते हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज की यात्रा ने एक नया मोड़ लिया है, और निवेशकों को एक बेहतर भविष्य की उम्मीद देता है।

वारी रिन्यूएबल को दो गीगावाट की सौर परियोजना का मिला ठेका

- यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी

नई दिल्ली ।

वारी रिन्यूबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) ने जिंदल रिन्यूएबल्स की विशेष इकाई (एसपीवी) सनब्रीज रिन्यूएबल्स नाइन प्राइवेट लिमिटेड से दो गीगावाट सौर परियोजना के लिए अपना सबसे बड़ा इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) ठेका हासिल किया है। यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा है जिसमें उर्जा क्षेत्र में नया जीवन प्रदान किया जा रहा है। यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी

और उर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों व टिकाऊ समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को एक नया दिशा प्रदान किया जाएगा जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस समाधान से मिलने वाला ऊर्जा उत्पादन देश में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नया उजागर कर सकता है जो आने वाले समय में अधिक विकास के दरवाजे खोल सकता है। इस समाचार ने उर्जा क्षेत्र में नए संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है और आगे और उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रेरणा स्रोत माना जा रहा है। यह एक बड़ी उत्थान कथा का शुभारंभ हो सकता है जो देश के उर्जा स्वायत्तता की दिशा में नए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद आगे बेहतर रहेगी: आरबीआई गवर्नर

- खाद्य कीमतों में नरमी से नवंबर में मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जीडीपी वृद्धि दर में हालिया सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद जताई है। मल्होत्रा ने आरबीआई की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में दिया यह बयान। उन्होंने कहा` कि उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास उच्च बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी। मल्होत्रा ने रिपोर्ट में इस विश्वास को दर्शाया है कि 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रहने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 5.4 फीसदी रह गई। मल्होत्रा ने आगामी वर्ष के लिए उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास को देखते हुए और निवेश परिदृश्य के सुधार का मार्ग दिखाया है। भरपूर व्यापारिक गतिविधियों की तेजी के कारण 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर में सुधार की उम्मीद जताई गई है। मुद्रास्फीति के मामले में, रिपोर्ट ने बताया कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण नवंबर में समग्र मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली है। हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति मई 2024 के बाद 64 आधार अंकों की बढ़त के साथ नवंबर में 3.7 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट में दिखाई गई यह उम्मीद है कि खाद्यान्न की कीमतों में आने वाली नरमी से मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा।संजय मल्होत्रा ने दावा किया कि रिजर्व बैंक वित्तीय संस्थानों की स्थिरता को बरकरार रखने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय वित्तीय क्षेत्र की मजबूती की स्तुति भी की और कहा कि वित्तीय प्रणाली के बल मिल रहे हैं।

रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की गिरावट के साथ 85.61 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख तथा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी का असर स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोरी के साथ 85.54 प्रति डॉलर पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.97 पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,893.16 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत को शिक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी 6 फीसदी करने की जरूरतः सीआईआई

- भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें उन्होंने बताया कि भारत को शिक्षा पर जीडीपी का 6 फीसदी खर्च करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का शिक्षा पर खर्च जीडीपी के 2.7 से 2.9 फीसदी तक ही रही है, जबकि विकसित देशों में यह खर्च 5 से 7 फीसदी तक है। भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता है। यहां नामांकन दर 79.6 फीसदी है, जो अन्य देशों के मुकाबले कम है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन, स्वीडन, और यूएसए में यह दर 98 से 100 फीसदी के बीच है। सीआईअआई की रिपोर्ट में इसके साथ ही बताया गया है कि भारत को चीन, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, और यूके के मॉडल से अधिक सीखने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपने शिक्षा बजट को बढ़ाकर, वैश्विक मानकों के अनुरूप लाने की जरूरत है। स्वीडन और अमेरिका जैसे देशों ने अपने शिक्षा पर निवेश को बढ़ाया है, और सीआइआइ का मानना है कि भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। शिक्षा पर उचित निवेश न करने से वैश्विक मानकों के हिसाब से सुधार मुश्किल हो सकता है। इस रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत को अपने शिक्षा क्षेत्र में निवेश में बदलाव की जरूरत है ताकि हम विकसित देशों के साथ टकराव कर सकें और एक उचित शिक्षा व्यवस्था को बनाए रख सकें।

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश

- और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्पलीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

साल के अंतिम दिन शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। साल के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। निवेशकों की कमजोर धारणा से भी बाजार में बिकवाली का माहौल रहा। आईटी स्टॉक्स में गिरावट के बीच अमेरिका में बांड यील्ड में बढ़त से भी बाजार पर दबाव पड़ा। इससे विदेशी निवेशक में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 109.12 अंक करीब 0.14 फीसदी नीचे आकर 78,139.01 पर बंद हुआ। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तकरीबन 0.10 अंक फिसलकर 23,644.80 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी और सेंसेक्स ने निवेशकों को 8.4 फीसदी का रिटर्न दिया हालांकि यह पिछले साल 2023 के लगभग 20फीसदी के रिटर्न से काफी कम है। कॉरपोरेट कंपनियों के तिमाही परिणामों के उम्मीद के अनुरुप नहीं रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इस साल 2024 में सेंसेक्स 5,898.75 अंक करीब 8.16 फीसदी ऊपर आया जबकि निफ्टी 1,913.4 अंक तकरीबन 8.80 फीसदी उछला। आज कारोबार के दौरानप सेंसेक्स के शेयरों में 30 कंपनियों में टेक महिंद्रा, ज़ोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज

फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नीचे आये जबकि दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर तेजी पर बंद हुए।

बाजार जानकारों के अनुसार आईटी स्टॉक्स में बिकवाली सहित एशियाई बाजारों में गिरावट से भी बाजार फिसला है। अमेरिका में बांड यील्ड बढ़ने से भी बाजारों पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी वजह से उभरते बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है।

वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोर रुख की वजह से बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को भारी गिरावट के साथ खुले। स्मॉलकैप और मिडकैप में भी .25 और 0.5 फीसदी की गिरावट आई।

आंध्र प्रदेश में 1.82 लाख करोड़ के निवेश की नौ परियोजनाएं मंजूर

- 2.63 लाख नये रोजगार के अवसर मिलेंगे

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कुल 1.82 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनसे 2.63 लाख नये रोजगार के अवसरं मिल सकते हैं। राज्य निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एसआईपीबी) की बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में निवेश में रुचि रखने वाली कंपनियों के लिए भूमि और अन्य सुविधाओं के आवंटन में तेजी लाने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, नायडू ने अधिकारियों से कहा, ''राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहनों और रियायतों से अधिक कंपनियों को आकर्षित करें।'' इस बीच, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बीपीसीएल 96,862 करोड़ रुपये के निवेश से नेल्लोर जिले के रामय्यापत्तनम में एक रिफाइनरी स्थापित करेगी, जबकि आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) 80 करोड़ रुपये के निवेश से विशाखापत्तनम में मिलेनियम टावर्स में एक कार्यालय स्थापित करेगी।

देश पर तेजी से बढ़ता जा रहा विदेशी कर्ज

- 3 महीने में बढ़ गए 2.52 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफतार जितनी तेज है उसी तेजी से देश में विदेशी कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। बताया जा रहा है कि देश के पास जितना बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, उससे ज्यादा विदेशी कर्ज का बोझ लद गया है। यह आंकड़ा सरकार ने जारी किया है। इस आंकड़े की मानें तो देश के हर नागरिक पर करीब 5 डॉलर का कर्जा है। इसमें महज 3 महीने यानी जुलाई से सितंबर तक ही 2.52 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि भारत का विदेशी कर्ज इस साल सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर हो गया। यह जून, 2024 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। सितंबर, 2023 के अंत में विदेशी कर्ज 637.1 अरब डॉलर था। वित्त मंत्रालय ने 'भारत की तिमाही विदेशी ऋण' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा है कि सितंबर, 2024 में देश का विदेशी कर्ज 711.8 अरब डॉलर था, जो जून, 2024 के मुकाबले 29.6 अरब डॉलर (करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये) अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार सितंबर, 2024 में विदेशी कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 19.4 प्रतिशत था, जो जून, 2024 में 18.8 प्रतिशत था. सितंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार भारत के विदेशी कर्ज में 53.4 प्रतिशत के साथ अमेरिकी डॉलर में ऋण की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही. इसके बाद भारतीय रुपया, जापानी येन, एसडीआर और यूरो का स्थान रहा। केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ गैर-सरकारी क्षेत्र का बकाया विदेशी कर्ज सितंबर, 2024 के अंत में जून, 2024 की तुलना में बढ़ा है। बाहरी कर्ज में लोन ही सबसे बड़ा घटक रहा है। इसकी हिस्सेदारी 33.7 प्रतिशत थी। इसके बाद मुद्रा और जमा, व्यापार कर्ज और अग्रिम और ऋण

प्रतिभूतियां का स्थान रहा। देश पर लदे कुल विदेशी कर्ज के अनुपात को देखा जाए तो भारत के हर नागरिक पर कर्जा लदा हुआ है। सितंबर, 2024 के अंत में मूल राशि और ब्याज भुगतान वर्तमान प्राप्तियों का 6.7 प्रतिशत था, जबकि जून, 2024 में यह 6.6 प्रतिशत था। फिलहाल कुल विदेशी कर्ज 712 अरब डॉलर है और जनसंख्या 1.40 अरब है तो इस लिहाज से हर व्यक्ति पर करीब 5 डॉलर (करीब 430 रुपये) का कर्ज लदा हुआ है।

यूनीमेक एयरोस्पेस का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 90 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

- एनएसई पर यूनीमेक के शेयर ने 85.98 प्रतिशत चढ़कर 1,460 रुपये पर शुरुआत की

नई दिल्ली । यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 785 रुपये से करीब 90 प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 89.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,491 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर इसने 85.98 प्रतिशत चढ़कर 1,460 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,956.20 करोड़ रुपये रहा। यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के आखिरी दिन गुरुवार को 174.93 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ 250 करोड़ रुपये के नए शेयर और 250 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए मूल्य दायरा 745-785 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां दिसंबर में धीमी रहीं

- क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर में घटकर 50.1 पर

हांगकांग । चीन की फैक्टरी गतिविधियां हाल ही में किए गए प्रोत्साहन उपायों तथा बढ़ते व्यापार जोखिमों के बीच दिसंबर में धीमी गति से बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर में घटकर 50.1 पर आ गया। नवंबर में यह 50.3 पर था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन` दिखाता है। यह लगातार तीसरा महीने 50 से ऊपर है जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। दूसरी ओर, गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक, जिसमें निर्माण तथा सेवाएं शामिल हैं वह दिसंबर में बढ़कर 52.2 पर रहा। नवंबर में यह 50 पर था।

बुमराह, रुट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं। वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024 की अपनी टेस्ट टीम का बुमराह को बनाया कप्तान, यशस्वी भी शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साल 2024 की अपनी पुरुष टेस्ट टीम घोषित की है। इसकी कप्तानी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मिली है। वहीं बुमराह के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी छह देशों के खिलाड़ियों वाली अंतिम ग्यारह में जगह मिली है। इस टीम में सीए ने ऑस्ट्रेलिक के केवल दो खिलाड़ियों विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है। इस टीम में इंग्लैंड के जो रूट, बेन डकेट और हैरी ब्रुक के साथ ही न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र और मैट हेनरी को भी शामिल किया गया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और श्रीलंका के कामिंडू मेंडिस को भी इस टीम में शामिल किया गया है।यशस्वी को जगह मिलने का कारण उनका इस साल का प्रदर्शन रहा। यशस्वी ने इस साल अनुभवी बल्लेबाज़ों की तरह खेलते हुए । लगातार दोहरे शतक लगाकर इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में टीम की जीत तय की। वहीं पर्थ में भारतीय टीम की जीत में उनकी 161 रनों की पारी अहम रही। इस युवा बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज़्यादा रन बनाने और एक साल में दुनिया भर में सबसे ज़्यादा 36 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं इंग्लैंड के डकेट ने आक्रामक अंदजा मे खेलते हुए भारत दौरे में राजकोट में 153 रन और मुल्तान में 114 रनों की पारियां खेलीं। 87.04 का उनका स्ट्राइक रेट रहा। वहीं रूट ने साल 2024 में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए छह शतक लगाये और 11 विकेट लिए, लॉर्ड्स में श्रीलंका के ख़िलाफ़ एक दोहरा शतक शतक और मुल्तान में नाबाद 262 रनों की पारी भी उनके नाम रही। जिससे टीम को पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में सहायता मिली। इस दौरान उन्होंने 11 विकेट भी लिए। वहीं न्यूजीलैंड के रविंद्र ने भारत में कीवी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 134 रन की पारी खेली। उन्होंने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक भी बनाया। वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज ब्रूक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक शतक लगाने के साथ ही मुल्तान में 317 रन की शानदार पारी खेलकर विरोधी टीम पर दबाव बनाया। वहीं श्रीलंका के मेंडिस ने 13 पारियों में चार शतकों के साथ ही 1,000 रन बनाकर ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया के कैरी ने 46 शिकार के साथ स्टंप के पीछे असाधारण प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्राइस्टचर्च में उनकी नाबाद 98 रन की पारी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ चौथी पारी में से एक थी। हेनरी न्यूजीलैंड के प्रमुख गेंदबाज के रूप में उभरे, जिन्होंने भारत के खिलाफ 15 रन देकर पांच विकेट लिए। बुमराह का 2024 का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, जिसमें उन्होंने 13 मैचों में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए, जिससे वे इस साल के सबसे बेहतरीन गेंदबाज बन गए जबकि ऑस्ट्रेलिया के हेजलवुड ने 14 से कम की औसत से गेंदबाजी करते हुए अपनी श्रेष्ठता बरकरार रखी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने अपनी गेंदों से विरोधी टीमों पर दबाव बनाये रखा। इस टीम पाकिस्तान और बांग्लादेश के किसी भी क्रिकेटर को जगह नहीं मिली।

टीम इस प्रकार है जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, बेन डकेट, जो रूट, रचिन रवींद्र, हैरी ब्रुक, कामिंडू मेंडिस, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मैट हेनरी, जोश हेजलवुड, केशव महाराज।

दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला गेंदबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ स्वदेश में हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से पांचवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं और वह चौथे स्थान पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप से 12 अंक पीछे हैं।

27 साल की दीप्ति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच में आठ विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मैच में 31 रन देकर छह विकेट भी शामिल है। भारत ने वडोदरा में यह एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से जीतकर क्लीनस्वीप किया था। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। श्रृंखला में 29 और 52 रन की पारियां खेलकर वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं। उनके 448 रेटिंग अंक हैं।

वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक की बदौलत 21 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाने वाली भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (720 अंक) हालांकि एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (773) और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू (733) उनसे आगे हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। वडोदरा में अपने करियर की सातवां एकदिवसीय शतक जड़ने वाली हेली मैथ्यूज छह स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

खो-खो विश्व कप का शेड्यूल जारी, 13 जनवरी से शुरू होंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम 13 जनवरी से शुरू होने वाले पहले खो - खो विश्व कप के शुरुआती दिन अपने अभियान का आगाज ग्रुप ए में नेपाल के खिलाफ यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में करेगी जबकि महिला टीम इसके अगले दिन दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। 13 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस विश्व कप के पुरुष और महिला वर्ग में क्रमश 20 और 19 टीमें भाग ले रही है।

खो-खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार को बताया कि टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो टीमें नॉकआउट चरण (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई करेंगी। पुरूष वर्ग में भारत और नेपाल के अलाव ग्रुप ए में पेरू, ब्राजील और भूटान की टीमें हैं।

महिलाओं के वर्ग में ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया के साथ ईरान और मलेशिया की टीमें है। भारतीय पुरुष टीम इसके बाद 14 जनवरी को ब्राजील, 15 जनवरी को पेरु, 16 जनवरी को भूटान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम 15 जनवरी को ईरान और 16 जनवरी को मलेशिया की चुनौती का सामना करेगी। टूर्नामेंट में दोनों वर्गों का क्वार्टर फाइनल 17 जनवरी, सेमीफाइनल 18 जनवरी और फाइनल 19 जनवरी को खेला जाएगा।

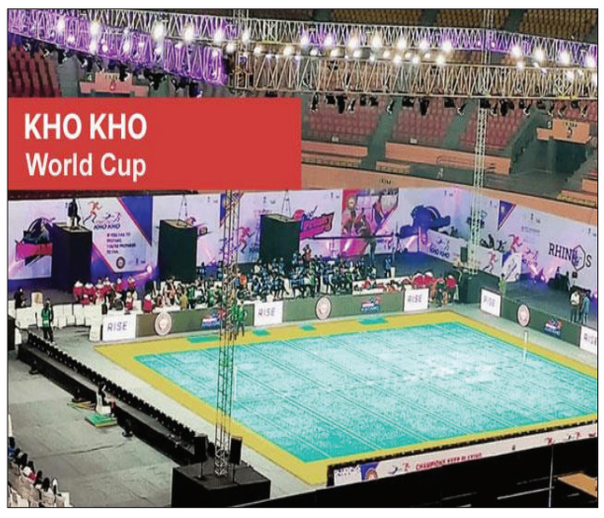

विश्व कप के लिए पुरुष टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान

ग्रुप बी : दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान

ग्रुप सी: बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड

ग्रुप डी : इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और कीनिया

विश्व कप के लिए महिला टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया

ग्रुप बी : इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कीनिया, युगांडा और नीदरलैंड

ग्रुप सी : नेपाल, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश

ग्रुप डी : दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड, पेरू और इंडोनेशिया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दी रोहित को संन्यास की सलाह

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम बड़ी मुश्किल से बचा पायी जबकि चौथे टेस्ट में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम अंतिम टेस्ट में हारी तो डब्ल्यूटीसी से बाहर होगी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में मिली 184 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी और पक्की कर ली है। वहीं अब अगर ऑस्ट्रेलिया अगर 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट को ड्रा करा लेता है या जीत हासिल कर लेता है तो भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी से बाहर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने इस चक्र में अपनी 10वीं जीत के साथ फाइनल खेलने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाया है। उसका अंक प्रतिशत पीसीटी 58.89 से बढ़कर 61.45 पहुंच गया हैं। अब तक केवल एक टीम दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंची है। वहीं चौथे टेस्ट में हार से भारत की

डब्लयूटीसी फाइनल की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। इस हार के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद भारत का पीसीटी 55.89 से घटकर 52.77 हो गया। इस चक्र में भारत की ये सातवीं हार है।

इससे पहले अपनी धरती पहले घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में हार और अब ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में दूसरी हार से भारत मुश्किल में आ गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम से बॉक्सिंग डे टेस्ट हारकर भारतीय टीम के सीधे प्रवेश की संभावनएं समाप्त हो गयी हैं और उसे अब अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। सिडनी में अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो उसका पीसीटी 55.26 हो जाएगा, जिससे उसकी उम्मीदें बनी रहेंगी। इसके साथ ही भारतीय टीम को दुआ करनी होगी कि श्रीलंका 1-0 से ऑस्ट्रेलिया को हरा दे।

विश्व कप जीतना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली । भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

हार्दिक पांड्या से अच्छी है नितीश की बल्लेबाजी: गावस्कर

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर का मानना है कि नितीश बल्लेबाजी के मामले में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से बेहतर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में नितीश ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। इस युवा ने मेलबर्न में विपरीत हालातों में 114 रनों की शानदार पारी खेली थी। नितीश ने पहली पारी में शतक लगाकर भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा था। गावस्कर नितीश के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से कहीं बेहतर है।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। गावस्कर ने लिखा, मेलबर्न टेस्ट से भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी सामने आये हैं। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजर में आये हैं गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो हालातों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ वह बेहतर समझ वाला खिलाड़ी बनता गया है।

नीतीश ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की पारियां दर्ज की थीं। वह हालांकि अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने गेंद से बहुत कम प्रदर्शन किया है। गेंद के साथ क्षमता हासिल करने से उन्हें भारत के लिए एक अच्छे मैच विजेता ऑलराउंडर के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

के चार टेस्ट मैचों में नीतीश ने 294 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट भी लिए।

गावस्कर ने कहा, मेलबर्न में, जब भारत मुश्किल में था, तो उन्होंने शानदार शतक बनाया जिसने आने वाले लंबे समय के लिए टीम में उनकी जगह पक्की कर दी।

ऑकलैंड में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो संन्यास लेंगी ओसाका

ऑकलैंड । जापानी की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो खेल से संन्यास ले लेंगी। ओसाक अक्टूबर में चाइना ओपन में पीठ में आये खिंचाव के बाद से ही टेनिस कोर्ट से दूर हैं। अब वह वापसी करते हुए अपना पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेलेंगी। इस टूर्नामेंट में ओसाका का पहला मुकाबला इस्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने कहा कि इस साल उन्होंने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया था और वह सत्र के अंत में 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं पर मैं अभी अपने जीवन में जिस जगह पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक एक तय स्थानसे ऊपर नहीं पहुंचती तो मैं आगे नहीं खेलना चाहूंगी।'' ओसाका ने कहा, ''अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं पहुंचती हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं उसकी जगह पर अपनी बेटी के साथ समय बिताना अधिक पसंद करूंगी।'' ओसाका का इस जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा है।

रोहित-विराट की जगह लेने के लिए खिलाड़ी हैं, बुमराह अगला कप्तान होगा : दो बार के विश्व कप विजेता

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच और दो बार के विश्व कप विजेता डेरेन लीमैन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट के पास यशस्वी जायसवाल जैसा सुपरस्टार है और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भी भारतीय क्रिकेट में इस कमी को पूरा करने वाले खिलाड़ी होंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए एक दशक के करियर में 27 टेस्ट और 117 वनडे खेलने वाले लीमैन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जिसका एक श्रृंखला पर इतना असर रहा हो।

मौजूदा श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के कारण रोहित और कोहली के संन्यास की संभावना के बारे में लीमैन ने कहा, 'देखते हैं कि अगले कुछ दिन में क्या होता है और वे क्या फैसला लेते हैं। लेकिन वे लंबे समय से भारत के महान क्रिकेटर रहे हैं। अब युवा खिलाड़ी भारत के लिए बेहतरीन खेल रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में इतनी गहराई है कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब भी ये दोनों संन्यास का फैसला लेते हैं तो उनकी जगह लेने के लिए काफी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं।'

जायसवाल के बारे में उन्होंने कहा, 'सुपरस्टार। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक। वह और हैरी ब्रूक अगली पीढ़ी के खिलाड़ी हैं। उसने मेलबर्न और पर्थ में शानदार पारियां खेली। इस दौरे पर वह एक खिलाड़ी के तौर पर काफी निखरा है।' बुमराह की तुलना वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा से करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित के बाद वह अगला कप्तान होगा। उसने पर्थ में शानदार प्रदर्शन किया। मैने जितने गेंदबाजों को खेलते देखा है, वह सर्वश्रेष्ठ है। मैने वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा को देखा है लेकिन किसी एक श्रृंखला में किसी गेंदबाज का इतना प्रभाव नहीं देखा जो 2013-14 एशेज में मिचेल जॉनसन के बाद अब बुमराह ने दिखाया है।'

बदलाव के दौर पर लीमैन ने कहा कि आस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी में चिंता करने की जरूरत है हालांकि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज भी तीस पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजी में कई अच्छे खिलाड़ी आ रहे हैं लेकिन बल्लेबाजी में सोचने की जरूरत है।'

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

शोभिता धुलिपाला ने सोशल मीडिया पर साझा कीं इस साल की उपलब्धि

शोभिता धुलिपाला की किस्मत के सितारे इस वक्त बुलंदियों पर हैं। अभिनेत्री की जिंदगी में खुशियों की कई वजह हैं और यह साल तो उनके लिए बहुत ही स्पेशल साबित हुआ है। एक तरफ उन्होंने नागा चैतन्य के साथ अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की है। वहीं, दूसरी तरफ करियर के फ्रंट पर भी खूब चर्चा बटोरी है। दिलचस्प बात यह है कि इस साल उनकी अदाकारी ग्लोबल स्तर पर दिखी, क्योंकि वे हॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा जो बनीं। अगर कहा जाए कि शोभिता धुलिपाला की पांचों उंगलियां घी में और सिर कढ़ाई में है, तो गलत नहीं होगा। अभिनेत्री की जिंदगी कुछ इसी तरह खुशियों से भरी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस पर खुशी जताई है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे इस साल अपने हॉलीवुड डेब्यू और नागा चैतन्य के साथ शादी और फिर कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी शिरकत का जश्न मनाती दिखी हैं।

साल 2024 का कहा शुक्रिया

शोभिता ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने सालभर के यादगार पलों की झलक पेश की है। इसमें कान में उनकी मौजूदगी से लेकर हॉलीवुड डेब्यू और शादी तक की तस्वीरे हैं। इसके साथ शोभिता ने लिखा है, यह साल बहुत ही ऊर्जा देने वाला रहा। उत्साह बढ़ाने वाला भी और सबसे बढ़कर कि जीवन के प्रति संतुष्टि देने वाला साबित हुआ। बहुत शुक्रिया साल 2024।

इस हॉलीवुड फिल्म में आई नजर

बता दें कि शोभिता धुलिपाला ने इस साल हॉलीवुड का रुख किया। वे अभिनेता देव पटेल के साथ फिल्म मंकी मैन में नजर आईं। इस फिल्म के लिए शोभिता ने 9 साल पहले इंटरव्यू दिया था। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। वहीं, 4 दिसंबर 2024 को अभिनेत्री ने नागा चैतन्य के साथ शादी रचाई। इसके अलावा कान फिल्म फेस्टिवल में भी उन्होंने अपने स्टाइलिश लुक्स से खूब लाइमलाइट लूटी।

बेबी जॉन का हिस्सा बन पछता रही हैं कीर्ति सुरेश?

फ्लॉप के कगार पर डेब्यू फिल्म

वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की मुख्य भूमिकाओं वाली बॉलीवुड एक्शन ड्रामा बेबी जॉन को लेकर चर्चा चरम पर थी। एटली ने इसे क्रिसमस के अवसर पर रिलीज करने का फैसला किया, जिससे इसे छुट्टियों का फायदा मिल सके। हालांकि, फिल्म की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने वाली है। कलेक्शन को देख साफ हो रहा है कि बेबी जॉन जल्द ही फ्लॉप की सूची में शुमार हो जाएगी। जानकारी हो कि कीर्ति सुरेश ने इसके साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है और जाहिर सी बात है कि कारोबार को देख उन्हें अपने फिल्म के चयन पर निराशा होना लाजमी है। कलीस के निर्देशन में बनी फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान का भी कैमियो है। हालांकि, इतना मसाला और एक्शन भी फिल्म के कमजोर निर्देशन को बचा पाने के लिए काफी नहीं रहा है। बेबी जॉन ने अपने रिलीज डे पर महज 11.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया और दूसरे दिन ही इसकी कमाई में 57.78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन महज 4.75 करोड़ रुपये रहा।

फ्लॉप के कगार पर वरुण की फिल्म

वहीं, तीसरे दिन की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने के लिए काफी थी। कारोबार में दूसरे दिन के मुकाबले 24.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसका शुक्रवार तक का टोटल महज 19.64 करोड़ रुपये ही हो पाया। कोविड-19 के बाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बॉलीवुड में कई रीमेक बेकार हो गए और अब बेबी जॉन इस सूची में शामिल होने के लिए तैयार है। रीमेक का विचार नहीं आया काम थेरी हिंदी दर्शकों के बीच भी एक लोकप्रिय फिल्म है और 2024 में इसका रीमेक बनाना निश्चित रूप से कोई अच्छा विचार नहीं है। शुक्रवार तक फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है और चलन के अनुसार, बेबी जॉन के लिए शनिवार और रविवार को ठोस आंकड़े पेश करना एक चुनौतीपूर्ण काम होगा।

अधर में लटका कीर्ति सुरेश का हिंदी करियर

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बीते कुछ समय से अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंथनी से शादी को लेकर चर्चा में थीं। साथ ही दर्शक उन्हें उनकी पहली हिंदी फिल्म बेबी जॉन में देखने के लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, उम्मीदों पर पानी फिर गया है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो कीर्ति भी बेबी जॉन को चुनने के अपने फैसले पर पछता रही हैं। कीर्ति की भूमिका को निर्माताओं द्वारा काफी प्रचारित किया गया था। हालांकि, इन सबके बावजूद बेबी जॉन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और इसे फ्लॉप माना जा सकता है। देखना यह होगा कि कीर्ति अपने हिंदी फिल्म करियर को किस तरह आगे बढ़ाती हैं।

मनोज बाजपेयी ने फैमिली मैन 3 की शूटिंग की खत्म

हाल ही में एक्टर मनोज बाजपेयी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने क्लैपरबोर्ड की एक तस्वीर पोस्ट की। इसके जरिए उन्होंने बताया है कि वह द फैमिली मैन 3 की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। द फैमिली मैन 3 की शूटिंग मनोज बाजपेयी पूरी कर चुकी हैं, यह बताने के लिए उन्होंने इंस्टा स्टोरी का सहारा लिया है, जिस पर एक कैप्शन भी लिखा है-शूटिंग पूरी हुई। फैमिली मैन 3 के लिए, थोड़ा इंतजार कीजिए।

काफी पॉपुलर है सीरीज

द फैमिली मैन की सीरीज को दर्शक काफी पसंद करते हैं। इसे राज निदिमोरू और कृष्णा डीके द्वारा प्रोड्यूस, डायरेक्ट किया गया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होती है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा प्रियामणि, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा जैसे कलाकार है, जो सीजन 3 में भी नजर आएंगे। प्रियामणि की बात करें तो वह साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, इस सीरीज में वह श्रीकांत यानी मनोज बाजपेयी के किरदार की पत्नी की भूमिका में नजर आई हैं। यह किरदार भी काफी हटकर रहा है। वहीं शारिब हाश्मी के रोल को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है, वह मनोज बाजपेयी के किरदार के दोस्त और सहयोगी बने हैं।

स्पॉय एजेंट की कहानी

सीरीज 'फैमिली मैन 3' में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया है, जो कि दुनिया की नजर में आम आदमी है लेकिन असल में एक स्पॉय एजेंट हैं। सीरीज में एक्शन, ड्रामा भरपूर रहा है। 'फैमिली मैन 3' में दर्शकों को पहले सीजन की तरह की एंटरटेन करेगा। इसका पहला सीजन 2019 में आया था, वहीं दूसरा सीजन 2021 में आया। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक ने इस सीरीज को खूब सराहा। मनोज बाजपेयी भी इस सीरीज में अपनी अभिनय क्षमता का पूरा उपयोग करने में कामयाब रहे हैं। यह सीरीज उनके दिल के काफी करीब है।

आयुष्मान की हीरोइन बनने के लिए सारा और तृप्ति में कांटे की टक्कर

जाने-माने फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या ने कथित तौर पर अपनी अगली फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना को बतौर मुख्य अभिनेता चुना है। हालांकि, इस फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे लेकर आए दिन कोई न कोई बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। इसी बीच इसका हिस्सा बनने वालीं अभिनेत्री को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।

जानकारी के अनुसार, अब तक बिना शीर्षक वाली इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की रेस में सारा अली खान और तृप्ति डिमरी सबसे आगे चल रही हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय जनवरी में लुक टेस्ट और आयुष्मान खुराना के साथ उनकी केमिस्ट्री पर निर्भर करेगा। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्र के मुताबिक, सारा में चार्म और मेनस्ट्रीम की अपील है जो राजश्री यूनिवर्स के साथ मेल खा सकती है, जबकि बुलबुल (2020) और काला (2022) में तृप्ति डिमरी का शानदार प्रदर्शन उन्हें इस भूमिका के लिए मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

आयुष्मान के साथ बनेगी किसकी जोड़ी?

आयुष्मान खुराना पहले से ही सारा के साथ एक और फिल्म कर रहे हैं, जबकि अगर वह तृप्ति के साथ मिलकर काम करते हैं तो यह एक नई जोड़ी होगी। इसी बीच तृप्ति डिमरी हुसैन उस्तारा पर विशाल भारद्वाज की फिल्म और दो अन्य परियोजनाओं में व्यस्त हैं।

बढ़ गए कार्तिक के भाव, फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए मांगी 50 करोड़ फीस

कार्तिक आर्यन इस समय बॉलीवुड में सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। वह सफलता के शिखर पर बैठे हैं। इसका कारण है कि साल 2024 में कार्तिक ने हिट फिल्म 'भूल भुलैया 3' दी है। फिल्म को कार्तिक ने अपने दम पर चलाया है। यही कारण है कि कई फिल्मों के ऑफर उनके पास आ रहे हैं। जिनमें से एक धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी भी है। हालिया सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कार्तिक धर्मा प्रोडक्शन की इस फिल्म के लिए बहुत ही ज्यादा फीस ले रहे हैं।

बढ़ा दी है कार्तिक ने अपनी फीस

फिल्म 'भूल भुलैया 3' हिट होने के बाद कार्तिक आर्यन ने अपनी फीस बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए वह 50 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। इतनी फीस धर्मा वाले नामी एक्टर्स को देते हैं।

कार्तिक ने नहीं की है पुष्टि

50 करोड़ रुपये फीस लेने की बात की अभी तक पुष्टि कार्तिक आर्यन की तरफ से नहीं हुई है। धर्मा प्रोडक्शन के करण जौहर ने भी इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

पहले भी करने वाले थे एक फिल्म

कार्तिक आर्यन कुछ साल पहले भी फिल्म 'दोस्ताना 2' करण जौहर के प्रोडक्शन के साथ करने वाले थे। लेकिन आपसी मतभेदों के कारण कार्तिक ने करण की यह फिल्म नहीं की है। अब दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म को समीर विद्वांस डायरेक्टर रहे हैं।

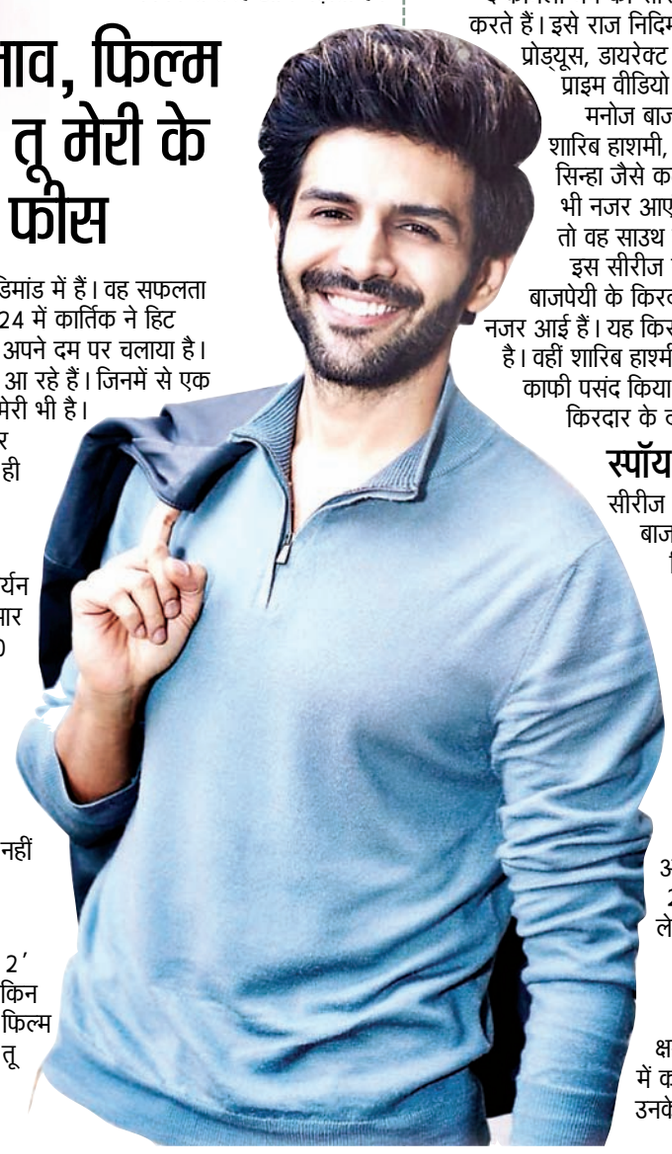

फीस के मामले में साउथ एक्टर्स अव्वल बॉलीवुड स्टार रह गए पीछे

साल 2024 समाप्त होने वाला है। फिल्म जगत के लिए यह साल सामान्य रहा। कुछ फिल्मों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया तो कुछ फ्लॉप रही। बॉलीवुड और साउथ दोनों ही उद्योगों ने कई शानदार फिल्में दी, जो दर्शकों को काफी पसंद आईं। बॉक्स ऑफिस पर इस साल कई पुराने रिकॉर्ड टूटे और कई नए रिकॉर्ड बने। पहले 'स्त्री 2' ने रिकॉर्ड तोड़े और अब 'पुष्पा 2' की आंधी में सब कुछ उड़ रहा है। आइए जानते हैं इस साल किस अभिनेता ने फीस के मामले में रिकॉर्ड कायम किया, किसने कितनी फीस ली।

इस साल साउथ के स्टार्स ने फीस के मामले में बॉलीवुड सितारों को पीछे छोड़ दिया और अपनी फिल्मों के लिए मोटी रकम वसूली। इस लिस्ट में दक्षिण भारतीय अभिनेताओं ने शीर्ष पर कब्जा जमाए रखा है।

अल्लू अर्जुन

सबसे ज्यादा फीस लेने वालों की सूची में पहला नाम है अल्लू अर्जुन का। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' के लिए 300 करोड़ रुपये की मोटी रकम वसूली है।

विजय

दूसरे नंबर पर साउथ के सुपरस्टार विजय आते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के लिए 200 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।

कमल हासन

कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन ना कर पाई हो, लेकिन अभिनेता ने इस फिल्म के लिए कथित तौर पर 150 करोड़ रुपये की फीस ली है।

रजनीकांत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म 'वेट्टैयन' के लिए 125 करोड़ रुपये की रकम वसूली। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। जबकि, इस फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए थे।

प्रभास

'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म को काफी सराहनाएं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता प्रभास ने अपनी इस फिल्म के लिए 80 करोड़ रुपये लिए थे।

महेश बाबू

महेश बाबू साल 2024 में अपने प्रशंसकों के लिए फिल्म 'गुंटूर कारम' लेकर आए। समीक्षकों ने फिल्म की सराहना की और प्रशंसकों का भी प्यार इसे मिला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए महेश बाबू ने 78 करोड़ रुपये फीस ली थी।

जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत शानदार प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस फिल्म के लिए जूनियर एनटीआर ने 60 करोड़ रुपये वसूले थे। उनके साथ अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी फिल्म में नजर आई थीं।

कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' इस साल बॉलीवुड की हिट फिल्मों में से एक है। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक आर्यन ने इस फिल्म के लिए 40 से 50 करोड़ रुपये लिए थे।

अजय देवगन

अजय देवगन अभिनीत और रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिंघम अगेन' बॉक्स ऑफिस पर जूझती दिखी। यह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने इस फिल्म के लिए 35 करोड़ रुपये चार्ज किए।